प्रजादेश

MPHIN.RNI.NO. 62005/94

वर्ष -32 अंक 55 | भोपाल, शुक्रवार 27 मार्च 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य 1.50 रुपये

राज्य सरकार 'सच्चा वादा और पक्का काम' के ध्येय को साकार करते हुए बढ़ रही है संकल्प से सिद्धि की ओर : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

श्री हनुमान लोक का लोकार्पण प्रदेश में रामराज्य की स्थापना के प्रति राज्य सरकार की आस्था का प्रकटीकरण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पांढुर्णा जिले को जामसांवली मंदिर से दी 362 करोड़ रूपए से अधिक के विकास कार्यों की सौगात

मुख्यमंत्री ने किया श्री हनुमान लोक के प्रथम चरण का लोकार्पण

जिले को मिली कलेक्टर कार्यालय, पुलिस अधीक्षक कार्यालय, जिला पंचायत और जनपद पंचायत कार्यालय भवन की सौगात

भोपाला। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सरकार 'सच्चा वादा और पक्का काम' के ध्येय को साकार करते हुए संकल्प से सिद्धि की ओर बढ़ रही है। उज्जैन में 3 साल पहले बाबा महाकाल का महालोक बना। उसके बाद प्रदेश में प्रमुख तीर्थ स्थलों को धाम के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। आज चैत्र नवरात्रि में पांढुर्णा के जामसांवली मंदिर में श्री हनुमान लोक सहित 362 करोड़ रूपए से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन अद्भुत अवसर है। उन्होंने जामसांवली श्री हनुमान लोक के दूसरे चरण के विकास कार्यों के लिए घोषणा की तथा बताया कि यहां श्रद्धालुओं के लिए 10 बिस्तर का छोटा अस्पताल भी बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रीराम नवमी के अवसर पर शुक्रवार को भोपाल से राजा रामचंद्र धाम ओरछा के लिए पीएमश्री हेलीकॉप्टर सेवा का शुभारंभ होगा। श्री हनुमान लोक का लोकार्पण प्रदेश में राम राज्य की स्थापना के प्रति सरकार की आस्था को प्रकट करता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पांढुर्णा में स्थित जामसांवली मंदिर में श्री हनुमान लोक के प्रथम चरण के लोकार्पण अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 111 करोड़ 63 लाख रूपए की लागत के 31 विकास कार्यों का लोकार्पण और 251 करोड़ 18 लाख रूपए की लागत के 33 विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्व-सहायता समूह की बहनों को ऋण स्वीकृति पत्र और किसानों को पट्टों का वितरण किया। उन्होंने प्राकृतिक खेती में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को पांढुर्णा जिले की पहचान संतरे की डलिया भेंट की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश केसाथ मध्यप्रदेश भी आगे बढ़ रहा है। खाड़ी में युद्ध की स्थिति में प्रधानमंत्री भारत के स्वाभिमान के साथ विदेश नीति पर निर्णय ले रहे हैं। भारत सरकार के संकल्प से ही संकट के समय विदेशों में फंसे हजारों भारतीयों की स्वदेश वापसी संभव हो पाई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्री हनुमान ने जीवन में बड़ी चुनौतियों का अडिग रहते हुए सामना किया। प्रभु श्रीराम ने संकट के समय जब भी हनुमान जी को याद किया, उन्होंने पल भर में समस्या का समाधान कर दिया। जय बजरंगबली से हमें सीख मिलती है कि जीवन में कभी भी विनम्रता को नहीं छोड़ना चाहिए। साथ ही मन-बुद्धि के साथ अपने शरीर के स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नव गठित पांढुर्णा जिले में लंबे समय से कलेक्टर कार्यालय और पुलिस अधीक्षक कार्यालय की आवश्यकता थी। इसकी पूर्ति करते हुए अब पांढुर्णा को जिला पंचायत और जनपद पंचायत कार्यालय के भवन की सौगात भी मिल रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पांढुर्णा जिले के लिए अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जामसांवली श्री हनुमान लोक के दूसरे चरण के विकास कार्य शुरू किए जाएंगे। पांढुर्णा में 10 एकड़ भूमि पर इंडोर और आउट डोर स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा। जिले में नगरपालिकाओं के विकास कार्यों के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी।

होर्मुज में तनाव के बीच सरकार बोली: पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की कोई कमी नहीं; देश में 60 दिन का तेल भंडार मौजूद

केंद्र सरकार ने गुरुवार को साफ तौर पर कहा कि देश में पेट्रोलियम और एलपीजी (एलपीजी) की आपूर्ति पूरी तरह सुरक्षित और नियंत्रण में है। सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर फैलाए जा रहे 'भ्रामक और दुष्प्रचार' पर ध्यान न दें, जिसका उद्देश्य बेवजह घबराहट पैदा करना है।केंद्र सरकार ने गुरुवार को साफ तौर पर कहा कि देश में पेट्रोलियम और एलपीजी (एलपीजी) की आपूर्ति पूरी तरह सुरक्षित और नियंत्रण में है। सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर फैलाए जा रहे 'भ्रामक और दुष्प्रचार' पर ध्यान न दें, जिसका उद्देश्य बेवजह घबराहट पैदा करना है। केंद्र सरकार ने गुरुवार को साफ तौर पर कहा कि देश में पेट्रोलियम और एलपीजी (एलपीजी) की आपूर्ति पूरी तरह सुरक्षित और नियंत्रण में है। सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर फैलाए जा रहे 'भ्रामक और दुष्प्रचार' पर ध्यान न दें, जिसका उद्देश्य बेवजह घबराहट पैदा करना है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, भारत के पास कुल मिलाकर 74 दिनों की भंडारण क्षमता है, जिसमें से वर्तमान में लगभग 60 दिनों का स्टॉक उपलब्ध है। इसमें कच्चा तेल, पेट्रोलियम उत्पाद और भूमिगत रणनीतिक भंडारण (कवर्न) शामिल हैं। मंत्रालय ने बताया कि मध्य पूर्व संकट के 27वें दिन भी देश में कहीं भी पेट्रोल, डीजल या एलपीजी की कोई कमी नहीं है। सरकार ने कहा, हर भारतीय के लिए लगभग दो महीने की निरंतर आपूर्ति उपलब्ध है, चाहे वैश्विक परिस्थितियां कैसी भी हों। साथ ही अगले दो महीनों के लिए कच्चे तेल की खरीद भी पहले ही सुनिश्चित कर ली गई है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि कुछ देशों में जहां ईंधन की कीमतों में भारी वृद्धि, राशनिंग, ऑड-ईवन नियम और पेट्रोल पंप बंद होने जैसी स्थिति है, वहीं भारत में ऐसी किसी भी आपातकालीन उपाय की जरूरत नहीं है।

हमें नहीं पता कि दो दिन बाद गैस मिलेगी या नहीं': मुख्यमंत्री ममता का केंद्र पर हमला, बोलीं- बैलगाड़ी से चलना पड़ेगा

ममता बनर्जी ने गैस की बढ़ती कीमतों और सप्लाई पर केंद्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि गैस 400 से 1100 रुपये पहुंच गई है और लोगों को 25 दिन इंतजार करना पड़ रहा है। हमें यह भी नहीं पता कि दो दिन बाद गैस मिलेगी या नहीं। साथ ही उन्होंने राष्ट्रपति शासन और लॉकडाउन पर भी बयान दिया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और भवानीपुर से टीएमसी उम्मीदवार ममता बनर्जी ने चुनावी मंच से केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने रसोई गैस पर कहा कि हमें नहीं पता दो दिन बाद गैस मिलेगी या नहीं। बढ़ती कीमतों और सप्लाई को लेकर चिंता जताते हुए उन्होंने यह भी कहा कि हालात ऐसे हो गए हैं कि लोगों को फिर से पुराने दिनों में लौटना पड़ सकता है। ममता ने कहा कि अगर गैस समय पर नहीं मिलेगी तो लोगों को बैलगाड़ी के दौर में लौटना पड़ेगा। उनके इस बयान ने चुनावी माहौल को और गर्म कर दिया है।

ममता बनर्जी ने कहा कि पहले गैस सिलेंडर करीब 400 रुपये में मिलता था, लेकिन अब इसकी कीमत 1100 रुपये तक पहुंच गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह बढ़ोतरी चुपचाप की गई है। उन्होंने कहा कि उन्हें सूचना मिली कि गैस मिलने में 25 दिन की देरी हो रही है, जिसके बाद उन्होंने तुरंत बैठक बुलाई। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर महिलाओं को 25 दिन बाद गैस मिलेगी तो वे खाना कैसे बनाएंगी।क्या गैस की कीमत और सप्लाई पर उठाए गए सवाल?

ममता ने कहा कि बढ़ती कीमतें आम लोगों पर भारी बोझ डाल रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को इस पर तुरंत ध्यान देना चाहिए, क्योंकि यह सीधे गरीब और मध्यम वर्ग के जीवन को प्रभावित करता है। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों में गैस को लेकर असमंजस और चिंता का माहौल है।

राष्ट्रपति शासन और लॉकडाउन को लेकर क्या कहा?

पश्चिम एशिया संकट: प्रधानमंत्री मोदी कल करेंगे मुख्यमंत्रियों के साथ ऑनलाइन बैठक, राज्यों की तैयारियों की होगी समीक्षा

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम एशिया संकट और उसके भारत पर असर को लेकर राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक करेंगे, जिसमें तैयारियों की समीक्षा की जाएगी। यह बैठक ऐसे समय में की जा रही है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार की शाम राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बातचीत करेंगे। इस बैठक में पश्चिम एशिया में बदलते हालात की समीक्षा की जाएगी और इसके भारत पर पड़ने वाले असर का आकलन किया जाएगा, खासकर तरल प्राकृतिक गैस (एलपीजी) और तेल आपूर्ति से मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। बैठक में तैयारियों पर फोकस किया जाएगा, जिसमें आपूर्ति श्रृंखला, ऊर्जा सुरक्षा और विदेश में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा जैसे मुद्दे शामिल हैं। प्रधानमंत्री बैठक में 'टीम इंडिया' की भावना के तहत सामूहिक प्रतिक्रिया के महत्व पर प्रकाश डाल सकते हैं, ताकि केंद्र और राज्यों के बीच तालमेल बना रहे। बैठक में वैश्विक अनिश्चितता के बीच देश में स्थिरता बनाए रखने के उपायों पर भी चर्चा हो सकती है। जिन राज्यों में फिलहाल चुनाव चल रहे हैं, वे आचार संहिता के कारण इस बैठक में शामिल नहीं होंगे। उनकी जगह कैबिनेट सचिवालय के जरिये उनके मुख्य सचिवों के साथ अलग से बैठक की जाएगी, ताकि योजनाओं और प्रतिक्रिया की प्रक्रिया जारी रहे।

यह बैठक इसलिए भी अहम मानी जा रही है, क्योंकि भारत इस समय एलपीजी की कमी का सामना कर रहा है। इससे घरों में इस्तेमाल होने वाले इस जरूरी ईंधन की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। ईरान की ओर से अधिकांश देशों के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य बंद किया गया है। हालांकि, भारत को इससे अलग रखा गया है। इसके बावजूद यह चिंता बनी हुई है कि आने वाले समय में हालात और कठिन हो सकते हैं। बैठक में वैश्विक अनिश्चितता के बीच देश में स्थिरता बनाए रखने के उपायों पर भी चर्चा हो सकती है। जिन राज्यों में फिलहाल चुनाव चल रहे हैं, वे आचार संहिता के कारण इस बैठक में शामिल नहीं होंगे। उनकी जगह कैबिनेट सचिवालय के जरिये उनके मुख्य सचिवों के साथ अलग से बैठक की जाएगी, ताकि योजनाओं और प्रतिक्रिया की प्रक्रिया जारी रहे।

यह बैठक इसलिए भी अहम मानी जा रही है, क्योंकि भारत इस समय एलपीजी की कमी का सामना कर रहा है। इससे घरों में इस्तेमाल होने वाले इस जरूरी ईंधन की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। ईरान की ओर से अधिकांश देशों के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य बंद किया गया है। हालांकि, भारत को इससे अलग रखा गया है। इसके बावजूद यह चिंता बनी हुई है कि आने वाले समय में हालात और कठिन हो सकते हैं। इससे पहले सरकार ने आज नागरिकों को आश्वस्त किया कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बावजूद कोई तात्कालिक खतरा नहीं है।

सरकार ने बताया कि देश के पास 60 दिनों का ईंधन उपलब्ध है। लोगों से ईंधन की कमी से जुड़ी अटकलों पर ध्यान न देने की अपील की गई। सरकार ने पुष्टि की कि देश की ऊर्जा आपूर्ति स्थिर और अच्छी तरह प्रबंधित है और मौजूदा मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त भंडार मौजूद है।

बंगाल चुनाव में होगी आरोपों की बरसात: 28 को टीएमसी की नाकामियां बताएंगे अमित शाह, ममता को इन मुद्दों पर घेरेंगे

पश्चिम बंगाल में अगले महीने में विधानसभा चुनाव है। इसी बीच पार्टियां चुनावी तैयारी में जुट गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 28 मार्च को पश्चिम बंगाल के दौरे पर रहेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 28 मार्च को पश्चिम बंगाल के दौरे पर रहेंगे। अपनी यात्रा के दौरान, शाह एक अहम प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करेंगे। इसमें वह तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप पत्र दाखिल करेंगे। इसमें सत्तारूढ़ दल के खिलाफ पार्टी के आरोपों का ब्यौरा दिया जाएगा। टीएमसी सरकार की कथित भ्रष्टाचार की देंगे ब्यूरा बंगाल भाजपा के सूत्रों के अनुसार, 'गृह मंत्री अमित शाह एक खास प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे और टीएमसी सरकार के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल करेंगे। आरोपपत्र में पिछले कई वर्षों में टीएमसी सरकार के दौरान कथित भ्रष्टाचार, शासन की विफलताओं और कानून-व्यवस्था संबंधी चिंताओं का विस्तृत विवरण होने की उम्मीद है। वरिष्ठ भाजपा नेताओं का संकेत है कि दस्तावेज में भर्ती में कथित अनियमितताओं, वित्तीय कुप्रबंधन और पार्टी की ओर से कथित तौर पर प्रशासनिक खामियों जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।' आरोपपत्र के अलावा, भाजपा तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल में हुए 15 वर्षों के कुशासन और भ्रष्टाचार को उजागर करने वाला एक विस्तृत पत्र जारी करने जा रही है। इस पत्र में राज्य में शासन व्यवस्था की कमियों से संबंधित पार्टी के दावों का समर्थन करने के लिए आंकड़े, केस स्टडी और क्षेत्रवार आकलन संकलित किए जाने की संभावना है। भाजपा से यह भी उम्मीद की जा रही है कि वह पश्चिम बंगाल में कथित माफिया शासन के मुद्दों पर अपने राजनीतिक संदेश को और अधिक प्रभावी बनाएगी। पार्टी नेताओं ने जोर देकर कहा है कि सत्ता में आने पर वे कोयला, रेत और पत्थर जैसे प्राकृतिक संसाधनों के खनन और व्यापार में शामिल अवैध नेटवर्क को खत्म करने के लिए सख्त कार्रवाई करेंगे और संसाधन प्रबंधन में अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करेंगे। इस बीच, पार्टी के चुनाव घोषणापत्र की तैयारियां चल रही हैं, जिसे अप्रैल के पहले सप्ताह में जारी किए जाने की संभावना है। घोषणापत्र जारी करने के लिए 5 अप्रैल की तारीख पर विचार किया जा रहा है। इस घोषणापत्र में पश्चिम बंगाल के लिए भाजपा के शासन के रोडमैप की रूपरेखा प्रस्तुत किए जाने की उम्मीद है, जिसमें विकास, बुनियादी ढांचा, रोजगार सृजन, कानून व्यवस्था और कल्याणकारी उपायों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष श्री जयभान सिंह पवैया, सदस्य श्री के.के. सिंह और सदस्य सचिव श्री वीरेन्द्र कुमार ने सौजन्य भेंट की।

यूपी गैंगस्टर एक्ट पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, याचिकाओं को एक साथ जोड़ने का दिया आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने यूपी गैंगस्टर एक्ट को चुनौती देने वाली सभी याचिकाओं को एक साथ जोड़कर तीन जजों की बेंच को सौंप दिया है। कोर्ट ने केंद्र को भी पक्षकार बनाया है। यह कानून संगठित अपराध रोकने के लिए बना था। उत्तर प्रदेश गैंगस्टर एक्ट को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा कदम उठाया है। अदालत ने इस कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली सभी याचिकाओं को एक साथ जोड़ने का आदेश दिया है। अब इन सभी मामलों की सुनवाई तीन जजों की विशेष बेंच करेगी। यह फैसला ऐसे समय आया है जब देशभर में संगठित अपराध पर सख्त कानूनों को लेकर बहस जारी है।सुप्रीम कोर्ट की बेंच, जिसकी अध्यक्षता मुख्य न्यायाधीश कर रहे थे, ने कहा कि अलग-अलग अदालतों में चल रही याचिकाओं को एक साथ सुनना जरूरी है ताकि एक समान और स्पष्ट फैसला दिया जा सके। कोर्ट ने केंद्र सरकार को भी इस मामले में पक्षकार बनाया है। यह कानून 1986 में बनाया गया था, जिसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश में संगठित अपराध, डकैती और असामाजिक गतिविधियों पर रोक लगाना है।क्या है मामला और कोर्ट ने क्या कहा? याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ वकील ने कहा कि इस कानून की कुछ धाराएं संविधान के खिलाफ हैं और इनकी वैधता पर सवाल उठाए गए

संक्षिप्त समाचार

प्रयोगशालाओं को बेहतर बनाने भौतिकी, रसायन और गणित विषय के शिक्षकों का प्रशिक्षण 28 मार्च से

भोपाल। राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान भोपाल में होगा प्रशिक्षण मध्यप्रदेश लोक शिक्षण संचालनालय, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की मंशा के अनुरूप विज्ञान शिक्षा को और अधिक समृद्ध किया जा रहा है। इसी क्रम में विभाग द्वारा विज्ञान विषय के शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय स्तर के संस्थान में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।इसके अंतर्गत भौतिकी, रसायन एवं गणित (फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स) विषयों के शिक्षकों को प्रयोगशालाओं के बेहतर उपयोग एवं प्रायोगिक शिक्षण को प्रभावी बनाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण 28 मार्च से 2 अप्रैल तक राजधानी भोपाल स्थित राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान में होगा। विभाग की इस पहल से शिक्षकों की क्षमता में वृद्धि होगी। साथ ही विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं व्यावहारिक विज्ञान शिक्षा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय श्रीमती शिल्पा गुप्ता ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधारभूत सिद्धांत 'शैक्षणिक संस्था वह है जिसमें प्रत्येक छात्र का स्वागत किया जाता है और उसकी देखभाल की जाती है। जहां एक सुरक्षित और प्रेरणादायक शिक्षण वातावरण मौजूद होता है। जहां सभी छात्रों को सीखने के लिए विविध प्रकार के अनुभव उपलब्ध कराए जाते है और जहां सीखने के लिए अच्छे बुनियादी ढांचे और उपयुक्त संसाधन उपलब्ध हैं। ये सब हासिल करना प्रत्येक शिक्षा संस्थान का लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उक्त आधारभूत सिद्धान्त के अनुसार विभाग ने सभी हाई और हायर सेंकडरी विद्यालयों में समुचित अधोसंरचना विकास के साथ प्रयोगशालाओं तथा अन्य शैक्षिक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया है। अब आवश्यकता है कि, हमारे शिक्षक साथी इन संसाधनों का कक्षा शिक्षण में यथोचित उपयोग सुनिश्चित करें, जिससे विद्यार्थी रूचिपूर्वक अध्ययन कर सकें।

एनटीटीटीआर के सहयोग से संचालित यह पहल भारत सरकार के 'स्मद्वद्यद्य ढ्ढठ्ठस्त्रद्धड्ड' और 'ष्ठद्ग1द्गद्यश्चद्गस्त्र ढ्ढठ्ठस्त्रद्धड्ड ञ्च2047' के विज्न के अनुरूप है, जो हमारे शिक्षकों को उनकी दक्षता संवर्धन में सहयोग करने के साथ ही कौशल आधारित शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों को भविष्य के लिए तैयार करने में भी सहायक होगी।

17,000 शिक्षक होंगे प्रशिक्षित

तकनीकी प्रशिक्षण के संबंध में अपर परियोजना संचालक श्रीमती नंदा भलावे कुशरे ने बताया कि प्रदेश में यह प्रथम अवसर होगा जब विज्ञान शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय स्तर के संस्थान में इस प्रकार का प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में कक्षा 9 से 12 तक के विज्ञान विषय से संबंधित सभी संकायों (फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स) के शिक्षकों को विज्ञान प्रयोगशालाओं के ०?यापक एवं सार्थक उपयोग का प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा।

इसमें प्रदेश के लगभग 17,000 शिक्षक, प्रयोगशालाओं के बेहतर उपयोग का प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। प्रशिक्षण का प्रथम चरण 28 मार्च से प्रारंभ होकर 2 अप्रैल तक चलेगा, जिसमें कुल 416 मास्टर ट्रेनर तैयार किये जायेंगे। यह मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरान्त अपने-अपने जिलों में प्रशिक्षण देंगे।

अपर परियोजना संचालक श्रीमती कुशरे ने कहा कि विभाग का यह लक्ष्य है कि शिक्षण सत्र के प्रारंभ से ही विद्यार्थी विज्ञान प्रयोगशालाओं का उपयोग करें। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में सहज जिज्ञासाओं का समाधान करना, विज्ञान प्रयोगों का व्यावहारिक जीवन में कैसे उपयोग किया जाता है की जानकारी प्राप्त करना, प्रारंभ से ही उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण जागृत करना तथा उनकी तार्किक क्षमता में संवर्धन करना है। सभी कक्षाओं के लिए तैयार किए गए हैं अलग अलग मॉड्यूल लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा विज्ञान प्रयोगशाला प्रशिक्षण के लिए सभी कक्षाओं के लिए अलग अलग मॉड्यूल तैयार किए गए हैं। इन मॉड्यूल्स में समग्र एवं संतुलित दृष्टिकोण अपनाते हुए सामग्री-आधारित प्रयोगों को शामिल किया गया है।

बीज संघ हाइब्रिड बीजों का उत्पादन कर किसानों को बाजार से आधी कीमत पर उपलब्ध कराएगा : मंत्री श्री सारंग

'एम.पी. के चीता बीज' को विश्व स्तरीय ब्रांड बनाने की होगी पहल :नई सीड प्रोसेसिंग यूनिट और किसानों के प्रशिक्षण पर दें विशेष ध्यान

भोपाल । रसहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने राज्य सहकारी बीज एवं विपणन संघ मर्यादित, भोपाल (बीज संघ) के संचालक मंडल की बैठक में बीज उत्पादन बढ़ाने, गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा किसानों को किफायती दरों पर गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि बीज संघ द्वारा मक्का, नॉन-जीएम कपास एवं सब्जियों के हाइब्रिड बीजों का उत्पादन एवं विपणन किया जाएगा। किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज बाजार मूल्य की तुलना में लगभग आधी कीमत पर उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि इससे किसानों की लागत कम होगी और उत्पादन बढ़ाने में सहायता मिलेगी।मंत्री श्री सारंग ने बीज संघ के 'चीता बीज' को विश्व स्तरीय ब्रांड के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए बीजों की गुणवत्ता, पैकेजिंग एवं ब्रांडिंग पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा सोशल मीडिया, कृषि मेलों और प्रदर्शनियों के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।

बैठक में बताया गया कि बीज प्रसंस्करण व्यवस्था को मजबूत करने के लिए नई सीड प्रोसेसिंग यूनिट एवं कलर सॉर्टेक्स मशीनें स्थापित की जाएंगी। प्रथम चरण में यह कार्य गुना एवं खरगोन में प्रारंभ किया जाएगा, जिसे पैक्स एवं सहकारी समितियों के माध्यम से प्रदेश के अन्य जिलों में विस्तारित किया जाएगा।

मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिए कि किसानों को बीज उत्पादन के लिए प्रशिक्षित किया जाए। जिन किसानों ने बीज उत्पादन में अच्छा कार्य किया है, उनके माध्यम से अन्य किसानों को प्रशिक्षण दिया जाए तथा प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार बीज उत्पादन योजनाएं तैयार की जाएं। उन्होंने कहा कि बीज संघ आगामी समय में बीज उत्पादन, ब्रांडिंग, प्रसंस्करण एवं विपणन को मजबूत करते हुए किसानों को किफायती दरों पर उच्च गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध कराने के लक्ष्य के साथ कार्य करे।

बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक वर्णवाल, आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक संस्थाएं श्रीमती शीला दाहिमा, राज्य विपणन संघ के प्रबंध संचालक श्री अभिजीत अग्रवाल, बीज निगम के प्रबंध संचालक श्री महेंद्र दीक्षित सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

स्कूलों में ही बनेंगे और अपडेट होंगे आधार कार्ड

भोपाल । राज्य शिक्षा केन्द्र, स्कूल शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश द्वारा भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के सहयोग से प्रदेश के स्कूलों में विद्यार्थियों की सुविधा के लिए 'विद्यार्थियों के लिए आधार, अब विद्यालय के द्वार' शिविर का अगला चरण एक अप्रैल से शुरू किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके विद्यालय परिसर में ही आधार से संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराना है, जिससे उन्हें नामांकन और अपडेट के लिए अलग से कहीं जाने की आवश्यकता न पड़े। यह कार्यक्रम 18 अगस्त से 31 अक्टूबर 2025 के बीच दो चरणों में आयोजित किया जा चुका है, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को लाभ मिला था।भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण एवं स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों के लंबित बायोमेट्रिक अपडेट को पूर्ण करने के उद्देश्य से 'विद्यार्थियों के लिए आधार, अब स्कूल के द्वार' अभियान का अगला चरण प्रारंभ किया जा रहा है। यह अभियान 1 अप्रैल से प्रारंभ होकर 15 मई 2026 तक संचालित किया जाएगा, जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों को विद्यालय स्तर पर ही आधार से संबंधित सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाएगा। 500 से अधिक ऑपरेटर्स का किया गया है चयन आधार शिविरों के कुशल संचालन के लिए लगभग 500 से अधिक ऑपरेटर्स का चयन किया गया है। इसके साथ ही इस सबंध में शालाओं के प्रधानाध्?यापकों को निर्देशित भी किया गया है कि वे यूडीआईएसई-प्लस पोर्टल से उन विद्यार्थियों की सूची अद्यतन कर लें जिनके आधार में एमबीयू पेंडिंग हैं। ऐसे विद्यार्थियों को आधार अपडेट कराने के लिये जागरूक करें और इसके लिए एक रोस्टर बनाएं। स्कूल शिक्षा विभाग की यह पहल मुख्य रूप से बच्चों के अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू) पर केंद्रित है। जिसमें उनके आधार में उंगलियों के निशान, आइरिस स्केन और एक तस्वीर अपडेट करना शामिल है। पहला अपडेट तब आवश्यक है।

दो दिवसीय सड़क सुरक्षा प्रबंधन कोर्स का आयोजन

भोपाल । सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं यातायात की नवीन तकनीकों से परिचय कराने के लिये इलेक्ट्रॉनिक इनफोर्समेंट इन एमपी एण्ड टाइम बाउंड इनवेस्टीगेशन फोर रोड़ विषय पर आधारित दो दिवसीय सेमिनार का आयोजन अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री विवेक शर्मा के निर्देशानुसार पुलिस परिवहन शोध संस्थान (पीटीआरआई) भोपाल में किया गया। मध्यप्रदेश में सड़क पर होने वाली वाहन दुर्घटनाओं एवं दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु की संख्या में कमी लाने के उद्देश्य से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक से उप निरीक्षक स्तर के अधिकारियों को सड़क सुरक्षा प्रबंधन कोर्स के माध्यम से दो दिवसीय प्रशिक्षण सत्र में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु में कमी लाने के लिये पीएम राहत योजना (कैशलेस), राहवीर योजना, हिट एण्ड रन पीड़ित प्रतिकर योजना का व्यापक प्रयोग एवं प्रचार-प्रसार करने पर बल दिया गया। साथ ही यातायात प्रवर्तन की नई तकनीकों जैसे पीओएस, आईटीएमएस, ई-चालन जैसे नव प्रयोगों के बारे में व्यापक अद्यतन रूप से विषय-विशेषज्ञों द्वारा सेमिनार में उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को बताया गया। साथ ही संस्थान के प्रमुख अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री विवेक शर्मा द्वारा मोटर व्हीकल एक्ट-1988, सीएमवीआर-1989, मध्यप्रदेश मोटर व्हीकल रूल्स-1994 के अद्यतन नवीन प्रावधान तथा वर्तमान में यातायात प्रबंधन में प्रचलित ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ई-डार प्रणाली के बारे में व्यापक रूप से अवगत कराया गया।सड़क सुरक्षा प्रबंधन का उद्देश्य सड़क उपयोगकर्ताओं को एक सुरक्षित सड़क नेटवर्क उपलब्ध कराना, जिसमें पदयात्रियों तथा साइकिल, वाहन चालकों को प्राथमिकता दी गयी है और भविष्य में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या एवं सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु की संख्या में कमी लाने के लक्ष्य को प्राप्त करना है। प्रशिक्षण सत्र के शुभारंभ पर उप पुलिस महानिरीक्षक पीटीआरआई श्री टी.के. विद्यार्थी द्वारा 4-ई के प्रमुख स्तंभ जैसे एजुकेशन ,इंजीनियरिंग, इनफोर्समेंट एवं इमरजेंसी-केयर की तथा सड़क दुर्घटनाओं की भयावहता को प्रशिक्षणार्थियों के समक्ष रखा। उनके द्वारा यातायात प्रवर्तन को दृष्टिगत रखते हुए ई-इनफोर्समेंट पर जोर दिया। साथ ही ओवर स्पीडिंग से निवारण के लिये इंटरसेप्टर व्हीकल की उपयोगिता को बढ़ाए जाने का अनुरोध किया। वर्तमान में भारत सरकार की योजनाओं राहगीर एवं कैशलेस उपचार के साथ-साथ गोल्डन ऑवर की अवधारणा से प्रशिक्षणार्थियों को अवगत कराया गया।

सेमिनार में पीटीआरआई के सहायक पुलिस महानिरीक्षक श्री अभिनीत कुमार रंजन, श्री राजेश मिश्रा, श्री विक्रम सिंह रघुवंशी, उप पुलिस अधीक्षक श्री मनोज खत्री, श्री हिमांशु कार्तिकेय एवं प्रशिक्षण टीम के अधिकारी भी उपस्थित रहे। कोर्स के समापन में प्रशिक्षणार्थियों को पीटीआरआई द्वारा प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये। विशेष कर्त्तव्यस्थ अधिकारी उच्च शिक्षा डॉ दिवा मिश्रा ने बताया कि यह विशेष सुविधा उन विद्यार्थियों के लिए प्रदान की गई है, जो प्रवेश नवीनीकरण के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत पूरक परीक्षा परिणामों की घोषणा के कारण नियत समय-सीमा में अपनी प्रवेश औपचारिकताएं पूर्ण करने से वंचित रह गए थे। प्रवेश पोर्टल को 28 मार्च 2026 तक सक्रिय (ष्ह्लद्ध1ड्डह्लद्द) किया जा रहा है। संबंधित विद्यार्थी, इस विस्तारित अवधि का लाभ उठाकर अपने प्रवेश नवीनीकरण की प्रक्रिया अनिवार्य रूप से पूर्ण करें। समस्त शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्यों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने क्षेत्राधिकार के अंतर्गत संचालित महाविद्यालयों के शेष पात्र विद्यार्थियों का त्वरित चिन्हांकन कर, उनका प्रवेश नवीनीकरण एवं शुल्क समय सीमा में जमा करवाना सुनिश्चित करें। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि यह सुविधा सीमित अवधि के लिए ही उपलब्ध होगी, इसलिए सभी संबंधित विद्यार्थी एवं संस्थान निर्धारित समय-सीमा का कड़ाई से पालन करें, जिससे किसी भी विद्यार्थी की शैक्षणिक निरंतरता बाधित न हो।

समाधान योजना में 25 लाख से अधिक बिजली उपभोक्ताओं ने लिया लाभ : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि समाधान योजना में अब तक 25 लाख 75 हजार बिजली उपभोक्ताओं में सरचार्ज में छूट का लाभ लिया है। उन्होंने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार की समाधान योजना 2025-26 के द्वितीय व अंतिम चरण को 31 मार्च 2026 तक बढ़ा दिया गया है। पूर्व में यह योजना 28 फरवरी तक लागू थी। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष 3 नवम्बर को समाधान योजना 2025-26 की शुरुआत हुई थी। समाधान योजना में तीन माह से अधिक के बकायादार उपभोक्ताओं को एकमुश्त राशि जमा करने पर 90 प्रतिशत तक सरचार्ज में छूट का लाभ दिया जा रहा है। मंत्री श्री तोमर ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि यदि वे तीन माह से अधिक के बकाएदार हैं और योजना में अभी तक शामिल नहीं हो पाए वे अब 31 मार्च तक योजना में शामिल होकर अपना बकाया बिल एकमुश्त जमा करके 90 फीसदी तक सरचार्ज माफी का लाभ उठा सकते हैं।

420 करोड़ 93 लाख का सरचार्ज हुआ माफ मध्यप्रदेश सरकार की समाधान योजना 2025-26 में अभी तक 25 लाख 75 हजार बिजली उपभोक्ताओं ने इस योजना का लाभ लिया है। कुल 1231 करोड़ 68 लाख रूपये जमा किये गये हैं, जबकि 420 करोड़ 93 लाख रूपये का सरचार्ज माफ किया गया है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के 7 लाख 63 हजार बकायादार उपभोक्ताओं ने अपना पंजीयन कराकर लाभ लिया है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के खाते में 701 करोड़ 91 लाख से अधिक की मूल राशि जमा हुई है, जबकि 301 करोड़ 22 लाख रूपए का सरचार्ज माफ किया गया है। इसी तरह पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के 9 लाख 62 हजार उपभोक्ताओं ने योजना का लाभ लिया है। कंपनी के खाते में 275 करोड़ 46 लाख रूपये जमा हुए हैं, जबकि 83 करोड़ 77 लाख रूपये का सरचार्ज माफ किया गया है। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के 8 लाख 50 हजार उपभोक्ताओं ने योजना का लाभ लिया है। कंपनी के खाते में 254 करोड़ 31 लाख रूपये जमा हुए हैं, जबकि 35 करोड़ 94 लाख रूपये का सरचार्ज माफ किया गया है। समाधान योजना 2025-26 एक नजर में समाधान योजना 2025-26 का उद्देश्य 3 माह से अधिक अवधि के उपभोक्ताओं को बकाया विलंबित भुगतान के सरचार्ज पर छूट प्रदान करना है। यह योजना जल्दी आएं, एकमुश्त भुगतान कर ज्यादा लाभ पाएं के सिद्धांत पर आधारित है। योजना में एक मुश्त भुगतान करने पर 70 से 90 फीसदी तथा किस्तों में भुगतान करने पर 50 से 60 फ़ीसदी तक सरचार्ज माफ किया जा रहा है। समाधान योजना 2025-26 का लाभ उठाने के लिए उपभोक्ताओं को कंपनी के पोर्टल पर पंजीयन करना है। पंजीयन के दौरान अलग-अलग उपभोक्ता श्रेणी के लिए पंजीयन राशि निर्धारित की गई है।

ईरान को गंभीर हो जाना चाहिए, इससे पहले देर हो जाए': ट्रंप ने दी समझौते की धमकी, कहा- पीछे जाने का मौका नहीं

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि वह जल्द गंभीर होकर फैसला ले, वरना हालात बिगड़ जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि ईरान समझौते के लिए तैयार है, लेकिन सार्वजनिक रूप से इनकार कर रहा है। साथ ही ट्रंप ने नाटो देशों पर भी आरोप लगाया कि उन्होंने इस संकट में अमेरिका का साथ नहीं दिया, जिससे तनाव और बढ़ गया है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बार फिर ईरान को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि ईरान को जल्द गंभीर होकर फैसला लेना होगा, वरना हालात ऐसे हो जाएंगे जहां से वापसी संभव नहीं होगी। ट्रंप के इस बयान ने एक बार फिर वैश्विक स्तर पर तनाव बढ़ा दिया है। इसी के साथ उन्होंने नाटो देशों पर भी निशाना साधा और सहयोग न करने का आरोप लगाया। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा कि ईरानी वार्ताकार बहुत अलग और अजीब हैं। वे हमसे डील करने के लिए भीख मांग रहे हैं, जो उन्हें करना चाहिए क्योंकि वो सैन्य रूप से खत्म हो चुके हैं और वापसी का कोई मौका उनके पास नहीं है, और फिर भी वे सबके सामने कहते हैं कि वे सिर्फ हमारे प्रस्ताव को देख रहे हैं। उन्हें जल्द ही गंभीर हो जाना चाहिए, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, क्योंकि एक बार ऐसा हो गया, तो पीछे मुड़ना मुमकिन नहीं है, और यह अच्छा नहीं होगा! ईरान ने बातचीत की संभावना पर मिले-जुले संकेत दिए हैं, जब ऐसी खबरें आईं कि ट्रंप प्रशासन ने इस हफ्ते की शुरुआत में पाकिस्तान के जरिए तेहरान को 15-सूत्रीय संघर्ष विराम योजना पेश की है। सार्वजनिक रूप से, ईरानी सरकारी मीडिया ने बताया कि तेहरान ने प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है। युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत नहीं-अब्बास अराघची ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सरकारी मीडिया को बताया कि उनकी सरकार ने युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत नहीं की है और न ही उनकी किसी बातचीत की योजना है। हालांकि उन्होंने माना कि यूएस ने दूसरे देशों के जरिए ईरान को संदेश भेजने की कोशिश की थी, उन्होंने कहा कि यह 'न तो बातचीत थी और न ही कोई नेगोशिएशन।' धमकी, चेतावनी और विरोध के बीच पश्चिम एशिया ही नहीं पूरी दुनिया के लिए 27 मार्च का दिन काफी अहम है। 23 मार्च को ट्रंप ने ईरान के साथ वार्ता का दावा करते हुए कहा था कि बातचीत सकारात्मक और रचनात्मक है, इसलिए वो ईरान के ऊर्जा संयंत्रों पर हमले के फैसले को '5 दिन के लिए टाल रहे हैं।' इसकी मियाद शुक्रवार को समाप्त हो रही है। नाटो पर ट्रंप क्यों भड़के और क्या आरोप लगाए? ट्रंप ने नाटो देशों पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि उन्होंने इस संकट के समय अमेरिका का साथ नहीं दिया। उन्होंने कहा कि नाटो देश ईरान के खिलाफ कार्रवाई में शामिल नहीं हुए और केवल तेल की कीमतों को लेकर शिकायत करते रहे। ट्रंप ने यहां तक कहा कि अमेरिका को नाटो की जरूरत नहीं है और सहयोगी देशों को इस समय को कभी नहीं भूलना चाहिए। द्व होर्मुज और तेल संकट को लेकर क्या है विवाद? ट्रंप ने कहा कि नाटो देश होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित करने में मदद नहीं कर रहे हैं, जिससे तेल की कीमतें बढ़ रही हैं।

र92 फीसदी जहाज किए नष्ट... 10 हजार ठिकानों पर हमले, ईरान से जंग को लेकर अमेरिका का दावा

तेहरान/वॉशिंगटन । इजरायल ने ईरान के इस्फहान शहर के आसपास बड़े पैमाने पर हमले किए हैं। इजरायल-ईरान के बीच जारी संघर्ष अब 27वें दिन में प्रवेश कर चुका है। हमलों में ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। अमेरिका ने दावा किया है कि युद्ध की शुरुआत के बाद से उसने ईरान के लगभग 10 हजार ठिकानों पर हमले किए हैं। अमेरिकी सेना के अनुसार, ईरान के 92 प्रतिशत जहाज भी नष्ट कर दिए गए हैं।

स्थानीय लोगों और मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, गुरुवार (26 मार्च 2026) सुबह इस्फहान क्षेत्र में जोरदार धमाकों की आवाजें सुनी गईं। इस्फहान में ईरान का एक प्रमुख एयरबेस और कई अन्य सैन्य सुविधाएं मौजूद हैं। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी 'फार्स' ने दावा किया कि हमले दो आवासीय इलाकों में भी हुए, हालांकि विस्तृत जानकारी साझा नहीं की गई। इससे पहले भी इस्फहान को निशाना बनाया जा चुका है। पिछले वर्ष जून में 12 दिन के संघर्ष के दौरान यहां के परमाणु स्थल पर भी बमबारी हुई थी।

इजरायली सेना ने इन हमलों को व्यापक बताया है और कहा है कि प्रोडक्शन एरिया तथा रक्षा से जुड़ी इकाइयों को निशाना बनाया गया। इस्फहान प्रांत की कई औद्योगिक साइट्स प्रभावित हुई हैं,

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका-इस्राइल और ईरान के हमलों में हूती की एंट्री, ईरानी मीडिया ने किया बड़ा दावा

ईरान और अमेरिका-इस्राइल के बीच हमलों का दौर अब भी जारी है। 28 फरवरी को शुरू हुए इस हमले को लगभग एक महीना होने वाला है, लेकिन दोनों पक्षों के बीच अब तक कोई बात नहीं बनी है। इस बीच अमेरिका-इजरायल के ईरान पर हमलों के खिलाफ हूती विद्रोहियों की एंट्री हो सकती है। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी तस्नीम ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि ईरान के समर्थन वाले हूती विद्रोही इस्राइल के खिलाफ जंग में शामिल होने के लिए तैयार हैं।ईरानी मीडिया रिपोर्ट में बिना नाम बताए सूत्रों का हवाला देते हुए कहा गया है कि हूती, जिन्हें यमनी अंसारुल्लाह के नाम से भी जाना जाता है, बाब अल-मंदाब स्ट्रेट पर कब्जा करने के लिए तैयार हैं। अक्टूबर 2023 से विद्रोही समूह ने लाल सागर में पहले ही तनाव की स्थिति बना रखी है और गाजा पर इजरायल के हमलों का बदला लेने के लिए सैकड़ों इजरायली ठिकानों पर गोलाबारी की है।अल-मंदाब स्ट्रेट पर कब्जा करने को तैयारी?

अमेरिकी मीडिया सीएनएन के अनुसार, हूती ने अमेरिका और ब्रिटेन से जुड़े जहाजों को भी निशाना बनाया है, जिससे दुनिया भर में व्यापार में रुकावट आई है। अमेरिका और दूसरी पश्चिमी नौसेनाएं समुद्र के रास्ते जहाजों को एस्कॉर्ट कर रही हैं, लेकिन अगर हूती बाब अल-मंदाब स्ट्रेट पर कब्जा करने का फैसला करते हैं, तो इससे उनके विकल्प और कम हो सकते हैं।

बाब अल-मंदाब स्ट्रेट भूमध्य सागर और अरब सागर के बीच एक जरूरी रास्ता है, जो यूरोप को अफ्रीका और उससे आगे के महासागरों में एशिया से जोड़ता है। इन सबके बीच अमेरिका और ईरान के बातचीत को लेकर चर्चाएं हो रही हैं। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि ईरान अमेरिका के साथ बातचीत कर रहा है। हालांकि, ईरान ने इन दावों खारिज करते हुए, यह कहा है कि ईरान और अमेरिका के बीच तीसरे पार्टी के जरिए हल्का-फुल्का संदेशों का आदान-प्रदान हुआ। ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में मध्यस्थों के माध्यम से ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच विभिन्न संदेशों का आदान-प्रदान हुआ है, जबकि पिछले महीने के अंत में देश पर अमेरिकी और इस्राइली हमलों की शुरुआत के बाद से तेहरान ने वाशिंगटन के साथ कोई बातचीत नहीं की है। उन्होंने सरकारी टीवी चैनल आईआरआईबी को दिए एक साक्षात्कार में यह टिप्पणी की। अराघची ने कहा, 'कुछ दिनों पहले से अमेरिकी पक्ष विभिन्न मध्यस्थों के माध्यम से अलग-अलग संदेश भेज रहा है। जब मित्र देशों के माध्यम से हमें संदेश भेजे जाते हैं और, हम जवाब में अपनी स्थिति स्पष्ट करते हैं या आवश्यक चेतावनी जारी करते हैं।

बड़ा सड़क हादसा : अनियंत्रित होकर बस नदी में गिरी, 23 की मौत; कई लापता

ढाका , मार्च, । बांग्लादेश में भीषण सड़क हादसा सामने आया है, जिसमें लगभग 23 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार, गोवालैंड उपजिला, राजबारी के दौलतदिया फेरी टर्मिनल पर एक पैसेंजर बस के पोंटून से पद्मा नदी में गिर गई। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, यह हादसा बुधवार शाम करीब 5¬15 बजे हुआ। बस कुश्तिया के कुमारखाली से ढाका जा रही थी, तभी नदी पार करने के लिए इंतजार करते समय बस अनियंत्रित होकर पानी में गिर गई। गवाहों ने बताया कि बस में कम से कम 50 यात्री सवार थे, जो रास्ते में अलग-अलग काउंटर से यात्रियों को उठा रहे थे। ढाका ट्रिब्यून ने बताया कि रेस्क्यू शिप हमजा ने छह घंटे बाद नदी में डूबी बस को निकाला। पहले जानकारी सामने आई थी कि लगभग 35 लोग लापता हैं। फरीदपुर फायर सर्विस कमांडर मोहम्मद बेलाल उद्दीन ने कहा, हमें पता चला है कि कम से कम 35 लोग लापता हैं। बचाव अभियान चल रहा है। रात करीब 11¬15 बजे गाड़ी का कुछ हिस्सा दिखाई देने के बाद 11¬30 बजे तक जहाज की क्रेन का इस्तेमाल करके पूरी बस को उठा लिया गया। फायर सर्विस ने बताया कि बुधवार देर रात बस के अंदर से 16 शव बरामद किए गए।

अमेरिका ने जमीनी हमला किया तो मुंहतोड़ जवाब मिलेगा'; ईरान का बड़ा दावा, 10 लाख लड़ाके तैयार

लंदन हाईकोर्ट से भगोड़े कारोबारी नीरव मोदी को बड़ा झटका, भारत प्रत्यर्पण के खिलाफ याचिका खारिज

लंदन '। भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी को उस समय बड़ा झटका लगा, जब लंदन स्थित हाईकोर्ट की किंग्स बेंच डिवीजन ने भारत में उनके प्रत्यर्पण आदेश के खिलाफ कार्यवाही फिर से शुरू करने की उनकी याचिका को खारिज कर दिया। इस मामले की पैरवी क्राउन अभियोजन सेवा के वकील ने की, जिन्हें केंद्रीय जांच ब्यूरो की एक समर्पित टीम ने सहायता प्रदान की, जिसमें वे जांच अधिकारी भी शामिल थे, जो सुनवाई में सहयोग करने के लिए लंदन आए थे। मामले को दोबारा खोलने के लिए आवेदन भंडारी फैसले के आधार पर दायर किया गया था।

ईरान ने अमेरिका के साथ बातचीत से किया इनकार, बोला- सिर्फ मित्र देशों के माध्यम से संदेशों का आदान-प्रदान हुआ

तेहरान , मार्च, । ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में मध्यस्थों के माध्यम से ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच विभिन्न संदेशों का आदान-प्रदान हुआ है, जबकि पिछले महीने के अंत में देश पर अमेरिकी और इजरायली हमलों की शुरुआत के बाद से तेहरान ने वाशिंगटन के साथ कोई बातचीत नहीं की है। उन्होंने सरकारी टीवी चैनल आईआरआईबी को दिए एक साक्षात्कार में यह टिप्पणी की। अराघची ने कहा, कुछ दिनों पहले से अमेरिकी पक्ष विभिन्न मध्यस्थों के माध्यम से अलग-अलग संदेश भेज रहा है। जब मित्र देशों के माध्यम से हमें संदेश भेजे जाते हैं ।

नहीं माना ईरान! इजरायल पर दागीं मिसाइलें, कुवैत का भी ड्रोन हमलों का दावा; ट्रंप के एलान के बाद भी हमले जारी

तेहरान/तेल मार्च, । अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच जारी तनाव को कम करने के लिए कूटनीतिक प्रयास तेज हुए हैं, लेकिन हालात अब भी सामान्य होते नहीं दिख रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के ऊर्जा और पावर इंफ्रास्ट्रक्चर पर संभावित हमलों को पांच दिनों के लिए टालने का ऐलान किया है। ताजा घटनाक्रम में इजरायल ने दावा किया है कि ईरान की ओर से मिसाइलें दागी जा रही हैं। वहीं कुवैत ने भी ड्रोन और मिसाइल हमलों की बात कही है।

इजरायली सेना ने मंगलवार सुबह नागरिकों के लिए आपातकालीन चेतावनी जारी की।

कौन थे अलीरेजा तंगसीरी?: होर्मुज पर ताला लगाने वाले ईरानी नौसेना प्रमुख की मौत, इस्राइली पीएम का बड़ा दावा

इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गुरुवार को दावा किया कि आईआरजीसी की नौसेना के कमांडर अलीरेजा तंगसीरी हवाई हमले में मारे गए हैं। तंगसीरी को होर्मुज जलडमरूमध्य बंद करने का जिम्मा सौंपा गया था। पढ़िए रिपोर्ट -इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गुरुवार को दावा किया है कि उनके हवाई हमले में ईरान रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना के कमांडर अलीरेजा तंगसीरी मारे गए हैं। एक छोटे से वीडियो संदेश में उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सेना पूरी ताकत से मुकाबला करती रहेगी। उन्होंने बताया कि बुधवार रात आईआरजीसी की नौसेना के कमांडर को मार गिराया गया। अलीरेजा तंगसीरी ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर पहरा लगा रखा था। नेतन्याहू से पहले देश के रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने भी तंगसीरी की मौत का दावा किया था। उन्होंने भी वीडियो संदेश जारी किया। काट्ज ने अपने बयान में कहा, बुधवार रात एक सटीक और खतरनाक अभियान में आईडीएफ ने आईआरजीसी के नौसेना कमांडर तंगसीरी और नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों को मार गिराया। इससे पहले, इस्राइली मीडिया ने एक अज्ञात सूत्र के हवाले से बताया था कि तंगसीरी हवाई हमले में मार गए हैं। हालांकि, तब इस्राइल या ईरान ने आधिकारिक तौर पर उनकी मौत की पुष्टि नहीं की थी। तंगसीरी को सौंपी गई थी होर्मुज बंद करने की जिम्मेदारी

रिपोर्ट के मुताबिक, तंगसीरी आईआरजीसी की नौसेना के प्रमुख थे और उन्हें होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की जिम्मेदारी दी गई थी। वहीं, आईआरजीसी ने आज फिर से अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले किए हैं। बताया जा रहा है कि ईरान के उत्तरी हिस्से में बनियादी ढांचे और नागरिक इलाकों पर हमलों के जवाब में यह कार्रवाई की गई।

पश्चिम एशिया संघर्षः ईरान ने अमेरिका के प्रस्ताव को बताया अनुचित, कहा - रक्षा क्षमता कम करने की हो रही मांग

ईरान ने अमेरिका के युद्ध खत्म करने के प्रस्ताव को एकतरफा और अनुचित बताते हुए कहा कि इसमें जरूरी शर्तें पूरी नहीं हैं। उधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि ईरान की सैन्य क्षमता काफी हद तक खत्म हो चुकी है। पढ़िए रिपोर्ट-ईरान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि जंग खत्म करने के लिए अमेरिका का प्रस्ताव एकतरफा और अनुचित है। यह प्रस्ताव पाकिस्तान के जरिये ईरान तक पहुंचाया गया था। हालांकि, अधिकारी ने यह भी कहा कि अगर वॉशिंगटन यथार्थवादी रुख अपनाए, तो आगे बातचीत का रास्ता अभी भी निकल सकता है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इस प्रस्ताव को बुधवार रात ईरान के वरिष्ठ अधिकारियों और देश के सर्वोच्च नेता के प्रतिनिधि ने विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा, संक्षेप में यह प्रस्ताव कहता है कि ईरान अपनी रक्षा करने की क्षमता छोड़ दे और बदले में प्रतिबंध हटाने की एक अस्पष्ट योजना स्वीकार करे। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रस्ताव की सफलता लिए जरूरी न्यूनतम शर्तें भी नहीं हैंपअधिकारी के अनुसार, अभी बातचीत के लिए कोई ठोस व्यवस्था नहीं है और इस समय वार्ता की कोई स्पष्ट योजना भी नजर नहीं आ रही है। वहीं, तुर्किये और पाकिस्तान ईरान और अमेरिका के बीच मतभेद कम करने और साझा सहमति बनाने की कोशिश कर रहे हैं। ईरान के पास बेहतरीन वार्ताकार लेकिन कमजोर लड़ाके हैंः ट्रंप इस बीच,अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान के पास बेहतरीन वार्ताकार हैं। लेकिन कमजोर लड़ाके हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच ईरान की सैन्य क्षमताकाफी हद तक खत्म हो चुकी है। ट्रंप ने कहा, हम ईरान को पूरी तरह से तबाह कर रहे हैं। वे हार चुके हैं और वापसी नहीं कर पाएंगे। अब उनके पास समझौता करने का मौका है। लेकिन फैसला उन्हें लेना है। उन्होंने कहा, अमेरिका ईरान के मिसाइल और ड्रोन भंडार को खत्म कर रहा है। उसकी रक्षा औद्योगिक क्षमता को नष्ट कर रहा है। नौसेना और वायु सेना को पूरी तरह खत्म कर चुका है और बड़ी संख्या में मिसाइलें और 90 फीसदी लॉन्चर नष्ट कर दिए गए हैं। ट्रंप ने कहा, ईरान के नेता मूर्ख नहीं हैं, बल्कि अपने तरीके से बहुत समझदार और अच्छे वार्ताकार हैं। उन्होंने कहा, मैं कहता हूं कि उनके लड़ाके कमजोर हैं. लेकिन वे बेहतरीन वार्ताकार हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के खिलाफ युद्ध में अमेरिका तय समय से काफी आगे है, जिसके पहले चार से छह हफ्तों तक चलने का अनुमान था। वहीं, ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ ने पुष्टि की कि अमेरिका ने ईरान के सामने 15 बिंदुओं का एक प्रस्ताव रखा है, जिसे संभावित शांति समझौते के रूप में पाकिस्तान के जरिये फेजा गया है। यह पहली बार है, जब ट्रंप प्रशासन ने 15 बिंदुओं की योजना की आधिकारिक पुष्टि की है। विटकॉफ ने गुरुवार को कैबिनेट बैठक में यह बात कही। उन्होंने बताया कि ट्रंप ने उन्हें संवेदनशील कूटनीतिक वार्ता के कारण गोपनीयता बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा, अगर यह समझौता होता है, तो यह ईरान, पूरे क्षेत्र और दुनिया के लिए अच्छा होगा।

ईरान-अमेरिका जंग के चलते इस देश में आपातकाल घोषित, रॉकेट बना पेट्रोल, बिजली भी बंद

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का असर अब दुनिया के कई देशों पर साफ दिखाई देने लगा है। इसी कड़ी में ҡҗҕҗҕҗҕҗҕҗҕҗ ने ऊर्जा आपूर्ति पर मंडराते खतरे को देखते हुए राष्ट्रीय स्तर पर आपातकाल घोषित कर दिया है। देश के राष्ट्रपति ҕҗҕҗҕҗҕҗҕҗ ҕҗҕҗҕҗ छ्ह ने आदेश जारी कर कहा कि मौजूदा हालात में ईंधन की उपलब्धता बनाए रखना और अर्थव्यवस्था को झटके से बचाना बेहद जरूरी हो गया है। निर्भर है। ऐसे में संकट के बाद देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे आम लोगों की लागत और महंगाई दोनों बढ़ गई हैं। सरकार ने उठाए आपात कदम स्थिति से निपटने के लिए सरकार ने एक विशेष निगरानी समिति गठित करने का फैसला किया है, जो ईंधन के साथ-साथ खाद्य पदार्थों और दवाइयों की आपूर्ति पर नजर रखेगी। साथ ही सरकार को सीधे तेल खरीदने के विशेष अधिकार भी दिए गए हैं, ताकि सप्लाई चेन बाधित न हो।

यह आपातकाल फिलहाल एक वर्ष के लिए लागू किया गया है, जिसे जरूरत पड़ने पर बढ़ाया या समाप्त किया जा सकता है।

कोरोना जैसे बन रहे हालात', पुतिन बोले- जंग लड़ रहे देशों को इसके असर का अंदाजा नहीं

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पश्चिम एशिया युद्ध को लेकर चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि इसके असर का अनुमान लगाना मुश्किल है, लेकिन यह कोरोना महामारी जैसा बड़ा संकट बन सकता है। युद्ध से वैश्विक सप्लाई चेन, उत्पादन और व्यापार प्रभावित हो रहे हैं। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध को लेकर रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इस संघर्ष के असर का अंदाजा लगाना अभी मुश्किल है, लेकिन इसके परिणाम कोरोना महामारी जैसे हो सकते हैं। पुतिन ने साफ कहा कि यह युद्ध केवल क्षेत्रीय नहीं बल्कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और सप्लाई सिस्टम को प्रभावित कर रहा है। इससे वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ गई है।पुतिन ने मॉस्को में बिजनेस लीडर्स से बातचीत के दौरान कहा कि अभी तक इस संघर्ष के परिणामों का सही अनुमान लगाना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि जो देश इस युद्ध में शामिल हैं, वे खुद भी इसके भविष्य को लेकर स्पष्ट नहीं हैं। ऐसे में बाकी दुनिया के लिए स्थिति और ज्यादा अनिश्चित हो जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ आकलनों में इस संकट की तुलना कोरोना महामारी से की जा रही है।क्या वैश्विक सप्लाई और व्यापार पर असर पड़ा? पुतिन ने कहा कि इस युद्ध का असर अंतरराष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स, उत्पादन और सप्लाई चेन पर साफ दिखाई दे रहा है। उन्होंने बताया कि हाइड्रोकार्बन, धातु और उर्वरक जैसे क्षेत्रों पर भारी दबाव पड़ रहा है। इससे वैश्विक बाजार में अस्थिरता बढ़ रही है और कई देशों की अर्थव्यवस्था प्रभावित हो सकती है। कंपनियों को भी बड़े नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। क्या कोरोना जैसी स्थिति बनने का खतरा है? पुतिन ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर हालात नहीं सुधरे तो यह संकट कोरोना महामारी जैसा बड़ा आर्थिक झटका दे सकता है। उन्होंने याद दिलाया कि कोरोना के दौरान पूरी दुनिया की रफ्तार धीमी पड़ गई थी और हर देश प्रभावित हुआ था।

संपादकीय

नीतीश को हटाने का प्रयोग सफलतापूर्वक

अब सवाल है कि नीतीश कुमार से मोदी और शाह का बदला पूरी हो गया लेकिन आगे क्या? आगे भाजपा किसको मुख्यमंत्री बनाएगी यह लाख टके का सवाल है। भाजपा ने पिछले 10 सालों में जिस तरह के लोगों को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठाया उसे देख कर तो लगता है कि मोदी और शाह का एकमात्र लक्ष्य लोगों को हैरान करना या चौंकाना होता है। वे चुन कर ऐसे व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाते हैं, जिसके बारे में किसी ने नहीं सोचा हो। जितने नाम पहले से चल रहे होते हैं उनको छोड़ कर किसी अन्य को सीएम बनाया जाता है। भजनलाल शर्मा से लेकर मोहन यादव, मोहन चरण मांझी और रेखा गुप्ता तक इसकी अनगिनत मिसाले हैं। लेकिन क्या बिहार में भाजपा इसी तरह का प्रयोग कर सकती है?

यह थोड़ा मुश्किल लग रहा है क्योंकि बाकी राज्यों की तरह भाजपा को बिहार में अकेले बहुमत नहीं मिला है। दूसरे, बिना नीतीश की पार्टी के बाकी सहयोगियों के साथ भी भाजपा का पूर्ण बहुमत नहीं बनता है। दूसरी ओर मजबूत प्रादेशिक पार्टी के तौर पर राजद है, जो मौके का फायदा उठाने को तैयार है। इसलिए भाजपा को जातीय समीकरण का ध्यान रखना है तो साथ साथ नीतीश की पार्टी की पसंद का ख्याल भी रखना है। इसके अलावा कमान ऐसे नेता को देनी होगी, जो राजद से लड़ सके और गैर यादव पिछड़ी जाति के समीकरण का प्रतिनिधित्व करता हो। भाजपा यादव चेहरे का प्रयोग पहले कर चुकी है। 2015 में भाजपा ने यह प्रयोग किया था। नित्यानंद राय प्रदेश अध्यक्ष, भूपेंद्र यादव प्रभारी और रामकृपाल यादव केंद्र में मंत्री थे। भाजपा ने जम कर टिकट भी दी लेकिन 2015 का वह प्रयोग विफल रहा था।

इस बार भाजपा और जदयू दोनों ने खुल कर गैर यादव राजनीति की। यादव नेताओं की टिकट काटी गई और उसकी जगह दूसरी मझोली जातियों खास कर कोईरी, कुर्मी और धानुक को आगे बढ़ाया गया। उनके ज्यादा विधायक जीत कर विधानसभा पहुंचे हैं। दूसरी बात यह है कि बिहार भाजपा के सबसे बड़े यादव नेता नंदकिशोर यादव को नगालैंड का राज्यपाल बनाया गया है। सो, यादव सीएम का प्रयोग शायद नहीं होगा। इसकी बजाय भाजपा के लिए सबसे सुरक्षित मौजूदा फॉर्मेशन को बनाए रखना है। यानी कोईरी, कुर्मी और धानुक के प्रयोग को जारी रखना डाजपा के लिए सुरक्षित भी होगा और उसके सामाजिक समीकरण के अनुकूल भी होगा। नीतीश कुमार और उनकी पार्टी का समर्थन भी इस पर मिलेगा।

इस लिहाज से उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पहली पसंद हो सकते हैं। अभी जनता दल यू के मुख्यमंत्री के साथ भाजपा के दो उप मुख्यमंत्री हैं। वैसे ही भाजपा के मुख्यमंत्री के साथ जदयू के दो उप मुख्यमंत्री हो सकते हैं। ऐसा लग रहा है कि अंत में नीतीश कुमार के बेटे निशांत को उप मुख्यमंत्री पद के लिए चुना जाएगा। सो, कोईरी मुख्यमंत्री और कुर्मी उप मुख्यमंत्री भाजपा की गैर यादव पिछड़ी जाति के राजनीति में फिट होंगे और उत्तर प्रदेश के चुनाव के लिहाज से भी यह समीकरण काम करेगा। दूसरा उप मुख्यमंत्री सवर्ण होगा या दलित यह जनता दल यू को अपनी पार्टी की राजनीति के लिहाज से तय करना है।

भाजपा में वैश्य या अति पिछड़ा मुख्यमंत्री के प्रयोग की बात भी की जा रही है। इस लिहाज से संजीव चौरसिया से लेकर दिलीप व संजय जायसवाल और सुनील कुमार पिंटू से लेकर धर्मशिला गुप्ता तक के नाम की चर्चा है। दलित चेहरे के तौर पर जनक राम का नाम भी लिया जा रहा है। लेकिन भाजपा ने नीतीश कुमार को हटाने का प्रयोग सफलतापूर्वक पूरा किया है तो दूसरे प्रयोग के लिए उसे इंतजार करना होगा। एक प्रयोग के बीच में दूसरा प्रयोग नुकसानदेह हो सकता है। लव कुश समीकरण यानी कोईरी, कुर्मी, धानुक के समीकरण को तोड़ने का जोखिम भाजपा अभी शायद ही ले। अगर भाजपा ऐसा कोई प्रयोग करती है तो नीतीश कुमार की पार्टी में नाराजगी होगी। इसका भी भाजपा को ख्याल रखना होगा।

राम नवमी 2026 विशेषः मर्यादा, आस्था और आदर्श जीवन का संदेश

भए प्रगट कृपाला दीनदयाला कौसल्या हितकारी। हरषित महतारी मुनि मन हारी अद्भुत रूप बिचारी॥ यह चौपाई सुनते ही मन भी राममय हो जाता है। भारत की सांस्कृतिक परंपरा में त्योहार केवल उत्सव नहीं होते, बल्कि वे जीवन जीने की दिशा भी देते हैं। ऐसा ही एक पावन पर्व है राम नवमी, जो भगवान राम के जन्मोत्सव के रूप में पूरे देश में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है। वर्ष 2026 में भी यह पर्व लोगों के जीवन में आस्था, संयम और आदर्शों की नई ऊर्जा लेकर आएगा। राम नवमी चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाई जाती है। यह वही दिन है जब अयोध्या में राजा दशरथ के घर भगवान राम का जन्म हुआ था। राम केवल एक देवता ही नहीं, बल्कि आदर्श पुत्र, आदर्श राजा और आदर्श मानव के रूप में भी पूजे जाते हैं। उनका जीवन हमें सिखाता है कि कठिन परिस्थितियों में भी धर्म और सत्य का मार्ग नहीं छोडना चाहिए।आज के बदलते सामाजिक परिदृश्य में राम के आदर्श और भी प्रासंगिक हो जाते हैं। जब समाज में नैतिक मूल्यों का ह्रास दिखाई देता है, तब राम का जीवन हमें मर्यादा, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा की याद दिलाता है।

राम ने अपने पिता के वचन को निभाने के लिए 14 वर्षों का वनवास स्वीकार किया, जो आज के समय में कर्तव्य और परिवार के प्रति समर्पण का सर्वोच्च उदाहरण है।राम नवमी के अवसर पर देशभर के मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना होती है। भक्तजन व्रत रखते हैं, रामचरितमानस का पाठ करते हैं और भजन-कीर्तन के माध्यम से भगवान राम का गुणगान करते हैं। अयोध्या सहित अनेक स्थानों पर शोभायात्राएं निकाली जाती हैं, जो इस पर्व की भव्यता को और बढ़ा देती हैं।यह पर्व हमें केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं रखता, बल्कि एक बेहतर समाज के निर्माण की प्रेरणा भी देता है। रामराज्य की कल्पना—जहां न्याय, समानता और सुख-शांति हो—आज भी हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों का आधार बनी हुई है। राम नवमी हमें यह संदेश देती है कि सच्चाई, धैर्य और मर्यादा के मार्ग पर चलकर ही जीवन को सार्थक बनाया जा सकता है। यदि हम भगवान राम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं, तो न केवल हमारा व्यक्तिगत जीवन सुधरेगा, बल्कि समाज में भी सकारात्मक परिवर्तन आएगा।

रामनवमीः जीवन जीने की दिशा भी

भारत की सांस्कृतिक परंपरा में राम नवमी केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाली प्रेरणा भी है। यह दिन भगवान राम के जन्म का प्रतीक है, जिन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है—अर्थात् मर्यादा, नैतिकता और आदर्श जीवन के सर्वोच्च उदाहरण।

आदर्शों से भरा जीवन

रामनवमी हमें सिखाती है कि जीवन केवल सफलता या सत्ता पाने का नाम नहीं है, बल्कि अपने कर्तव्यों और मूल्यों को निभाने का नाम है। भगवान राम ने हर परिस्थिति में सत्य, धर्म और कर्तव्य को सर्वोपरि रखा—चाहे वह वनवास हो, परिवार के प्रति जिम्मेदारी हो या प्रजा के प्रति कर्तव्य।

संतुलन और संयम का संदेश

आज की तेज़ रफ्तार जिंदगी में जहां स्वार्थ और प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है, राम का जीवन संयम और संतुलन का संदेश देता है। उन्होंने क्रोध, अहंकार और लोभ पर नियंत्रण रखते हुए जीवन जिया—जो आज भी हर व्यक्ति के लिए मार्गदर्शक है।

रिश्तों की मर्यादा रामनवमी हमें यह भी सिखाती है कि रिश्तों की गरिमा बनाए रखना कितना महत्वपूर्ण है। राम ने पुत्र, भाई, पति और राजा—हर भूमिका में आदर्श स्थापित किया। उनके जीवन से हमें यह सीख मिलती है कि संबंध केवल अधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी होते हैं।

संघर्ष में भी धैर्य

जीवन में कठिनाइयाँ आना स्वाभाविक है, लेकिन राम का जीवन बताता है कि धैर्य और सकारात्मक सोच से हर संकट को पार किया जा सकता है। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने मार्ग से कभी विचलित नहीं हुए। आज के संदर्भ में रामनवमी आज के समय में रामनवमी केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे अपने जीवन में उतारने की जरूरत है। ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा, सहनशीलता और न्याय—ये सभी गुण हमें बेहतर इंसान और बेहतर समाज बनाने में मदद करते हैं।

रामनवमी हमें याद दिलाती है कि सच्चा उत्सव केवल बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक परिवर्तन में है। जब हम भगवान राम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाते हैं, तभी यह पर्व वास्तव में सार्थक होता है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार है, समाचार पत्र व पत्रिकाओं में समसमायिक विषयों पर चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

लोकतांत्रिक भविष्य से खिलवाड़

मुश्किलें इसलिए पैदा हुई हैं, क्योंकि सत्ता पक्ष ने पद, प्रक्रिया और परिणाम की गरिमा की चिंता छोड़ दी है। व्यापक रूप से संवैधानिक व्यवस्था की साख के साथ क्या हो रहा है, इसकी फिक्र करने की जरूरत वह नहीं समझता।लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान विपक्ष ने संसदीय कार्यवाही के संचालन में अपने प्रति भेदभाव के साथ-साथ सत्ता पक्ष से स्पीकर की मिलीभगत का आरोप खुल कर लगाया। जैसा अनुमान था, अविश्वास प्रस्ताव ध्वनिमत से नामंजूर कर दिया गया। मगर जिस रोज ये हुआ, उसी दिन विपक्ष के 180 सांसदों ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ पेश होने वाले अविश्वास प्रस्ताव पर दस्तखत कर दिए। अब इस प्रस्ताव को दोनों सदनों में पेश किया जाएगा। विचार के लिए प्रस्ताव के स्वीकार होने की प्रक्रिया लंबी है, इसलिए इस पर बहस के लिए (अगर वो हुई तो) अभी इंतजार करना पड़ेगा।

वैसे, चर्चा हुई भी, तो यह अनुमान पहले से लगाया जा सकता है कि इसका हश्र स्पीकर के खिलाफ पेश प्रस्ताव से अलग नहीं होगा। कारण संसदीय गणित है। आज के माहौल में इसकी उम्मीद तो नहीं की जा सकती कि सत्ता पक्ष चुनाव प्रक्रिया की स्वच्छता एवं निष्पक्षता की व्यापक अपेक्षाओं को अपने दलगत हित पर तरजीह देकर समझने का प्रयास करेगा कि विपक्ष आखिर संवैधानिक पद पर बैठे एक व्यक्ति से इतना ख़फा क्यों है? और यही समस्या की जड़ है। मुश्किलें इसलिए पैदा हुई हैं क्योंकि सत्ता पक्ष ने पद, प्रक्रिया और परिणाम की गरिमा की चिंता छोड़ दी है। उसे मतदाताओं की गोलबंदी की अपनी क्षमता पर इतना भरोसा है कि व्यापक रूप से संवैधानिक व्यवस्था की साख के साथ क्या हो रहा है, इसकी फिक्र करने की जरूरत वह नहीं समझता।

व्यापार

ट्रेन टिकट कैंसिल करने से पहले पढ़ लें ये बड़ी खबर, रेलवे ने बदल दिए रिफंड के सारे नियम

नई दिल्ली ,,। अगर आप भी अक्सर ट्रेन से सफर करते हैं, तो यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी है। टिकटों की कालाबाजारी पर सख्त लगाम कसने के लिए भारतीय रेलवे ने टिकट कैंसिलेशन और रिफंड के नियमों में एक बड़ा और अहम बदलाव कर दिया है। नए नियमों के लागू होने के बाद अब यात्रियों को टिकट कैंसिल कराने पर पहले की तरह लगभग पूरा पैसा वापस नहीं मिलेगा। रेलवे ने रिफंड की राशि को अब कैंसिलेशन की समय सीमा के साथ गहराई से जोड़ दिया है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य टिकट दलालों की मनमानी पर रोक लगाना है, ताकि आम और जरूरतमंद यात्रियों को आसानी से कंफर्म टिकट मिल सके।

8 घंटे पहले टिकट रद्द करने पर नहीं मिलेगा कोई रिफंड रेलवे द्वारा तय किए गए नए नियमों के अनुसार, अब टिकट कैंसिल कराने के समय के आधार पर रिफंड में भारी कटौती की जाएगी। अगर कोई यात्री ट्रेन के निर्धारित प्रस्थान समय से 8 घंटे पहले अपना टिकट रद्द करता है, तो उसे रिफंड के तौर पर कुछ भी वापस नहीं मिलेगा। वहीं, 24 घंटे से लेकर 8 घंटे के बीच टिकट कैंसिल कराने की स्थिति में यात्रियों को टिकट की केवल 50 प्रतिशत राशि ही वापस की जाएगी। इसके अलावा, अगर कोई टिकट 72 घंटे पहले रद्द किया जाता है, तो यात्री को 75 प्रतिशत तक रिफंड मिलेगा। आपको बता दें कि पहले 72 घंटे या उससे पहले टिकट कैंसिल करने पर यात्रियों को लगभग पूरा पैसा वापस मिल जाता था। रेलवे के ये नए और सख्त नियम 1 अप्रैल से 15 अप्रैल के बीच पूरी तरह से लागू कर दिए जाएंगे। अब किसी भी स्टेशन से आसानी से कैंसिल करा सकेंगे टिकट रिफंड के इन सख्त नियमों के साथ-साथ रेलवे ने यात्रियों की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए कुछ शानदार सुविधाएं भी पेश की हैं। नए प्रावधानों के तहत अब यात्री ऑफलाइन मोड में देश के किसी भी स्टेशन से अपना रेलवे टिकट आसानी से कैंसिल करा सकेंगे। अब उन्हें सिर्फ उसी स्टेशन तक सीमित रहने की मजबूरी नहीं होगी, जहां से उन्होंने अपना टिकट बुक कराया था। इसके अलावा, यात्रियों को अब अपने तय डिपार्चर (प्रस्थान) स्टेशन के अलावा रूट के आगे के किसी भी स्टेशन से ट्रेन बोर्ड करने की खास छूट भी दी जाएगी। इसके लिए मोबाइल ऐप में बोर्डिंग स्टेशन को अपडेट करने का एक नया और आसान विकल्प मिलेगा, जिससे यात्रियों का सफर पहले से कहीं ज्यादा सुविधाजनक हो जाएगा। सफर से 30 मिनट पहले बदल सकेंगे अपनी क्लास और कोच रेलवे ने अपने यात्रियों के यात्रा अनुभव को और अधिक लचीला और शानदार बनाने के लिए एक और बड़ा फैसला लिया है। इस नए फीचर के तहत अब यात्री सफर शुरू होने से ठीक पहले अपनी सीट भी अपडेट या अपग्रेड कर सकेंगे। ट्रेन के निर्धारित प्रस्थान समय से 30 मिनट पहले तक यात्रियों को अपना कोच और सफर की क्लास बदलने का बेहतरीन विकल्प दिया जाएगा।

अब खाना ऑर्डर करने पर देने होंगे ज्यादा पैसे, जोमैटो के बाद स्विगी ने बढ़ाई प्लेटफॉर्म फीस

नई दिल्ली , मार्च,। फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी ने खाना ऑर्डर करने पर लगने वाली प्लेटफॉर्म फीस को 17 प्रतिशत बढ़कर 17.58 रुपए प्रति ऑर्डर (जीएसटी सहित) कर दिया है, जो पहले 14.99 रुपए थी। स्विगी ऐप की बिलिंग के अनुसार, प्लेटफॉर्म फीस में करीब 17 प्रतिशत या 2.59 रुपए का इजाफा हुआ है। कंपनी का कहना है कि यह वृद्धि प्लेटफॉर्म के संचालन और रखरखाव में मदद करने के उद्देश्य से की गई है। इससे पहले स्विगी ने अगस्त 2025 में स्विगी ने प्लेटफॉर्म फीस में करीब 2 रुपए की वृद्धि की थी, जो कि पहले 12 रुपए थी। इससे पहले अन्य फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो ने प्लेटफॉर्म फीस में इजाफा किया था। जोमैटो ने प्लेटफॉर्म फीस में 19.2 प्रतिशत या 2.40 रुपए प्रति ऑर्डर का इजाफा किया था। बढ़ोतरी के बाद नई प्लेटफॉर्म फीस 14.90 रुपए प्रति ऑर्डर (जीएसटी से पहले) हो गई है, जो कि पहले 12.5 रुपए थी। जीएसटी सहित अब फीस 17.58 रुपए प्रति ऑर्डर हो गई है। प्लेटफॉर्म फीस में बढ़ोतरी ऐसे समय पर हुई है, जब हाल ही में एलपीजी की कीमतों में इजाफा हुआ है, जिससे रेस्तरां की लागत में बढ़ोतरी देखी गई है। इससे पहले जोमैटो ने आखिरी बार सितंबर 2025 में प्लेटफॉर्म शुल्क में बदलाव किया था।

पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के संकेतों के बीच कीमती धातुओं ने पकड़ी रफ्तार, सोना 3 प्रतिशत उछला तो चांदी में 5 प्रतिशत की तेजी

मुंबई ,। पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव कम होने की उम्मीदों के बीच हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को कीमती धातुओं (सोने-चांदी) की कीमतों में उछाल देखने को मिली।

अंतरराष्ट्रीय बुलियन कीमतों में तेजी के बाद सोने और चांदी की कीमतों ने कारोबार की शुरुआत जोरदार उछाल के साथ की।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट वाला सोना पिछले बंद भाव 1,38,912 रुपए के मुकाबले 3 प्रतिशत बढ़कर 1,43,079 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला, जबकि मई कॉन्ट्रैक्ट वाली चांदी अपने पिछले बंद भाव 2,23,941 के मुकाबले 4 प्रतिशत बढ़कर 2,32,898 प्रति किलोग्राम पर खुली।

हालांकि खबर लिखे जाने तक (सुबह करीब 10.16 बजे) एमसीएक्स पर 2 अप्रैल की डिलीवरी वाला सोना 3.96 प्रतिशत यानी 5,498 रुपए के उछाल के साथ 1,44,410 रुपए पर था, तो वहीं 5 मई की डिलीवरी वाली चांदी 5.49 प्रतिशत यानी 12,291 रुपए की तेजी के साथ 2,36,232 रुपए प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड कर रही थी।

बीते कारोबारी दिन मंगलवार को एमसीएक्स गोल्ड अप्रैल वायदा 0.03 प्रतिशत गिरकर 1,38,912 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ, जबकि एमसीएक्स सिल्वर मई वायदा 0.43 प्रतिशत गिरकर 2,23,941 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ।

बुधवार को 2 अप्रैल की डिलीवरी वाला सोना खुलने के बाद एक समय 1,44,570 रुपए के उच्चतम स्तर तो एक समय 1,43,079 रुपए प्रति 10 ग्राम के दिन के निम्नतम स्तर तक पहुंचा। वहीं, 5 मई की डिलीवरी वाली चांदी खुलने के बाद एक समय 2,37,169 रुपए के दिन के उच्चतम स्तर तो एक समय 2,32,898 रुपए प्रति किलो के दिन के निम्नतम स्तर तक पहुंच गई। डॉलर के कमजोर होने और बढ़ती मुद्रास्फीति और उच्च ब्याज दरों को लेकर चिंताओं में कमी आने से सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखी गई, जबकि मध्य पूर्व में ईरान युद्ध को समाप्त करने की अमेरिकी योजना की खबरों के बाद कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई। हाजिर सोने की कीमतों में 2.1 प्रतिशत की तेजी आई और यह 4,568.29 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई, जबकि अप्रैल डिलीवरी के लिए अमेरिकी सोने के वायदा भाव में 3.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 4,569.40 डॉलर पर पहुंच गया।

भारतीय शेयर बाजार में लौटी रौनक; निवेशकों ने कमाए करीब 8 लाख करोड़ रुपए

मुंबई ,25 । सोमवार की बड़ी गिरावट के बाद मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार में जोरदार तेजी देखने को मिली और घरेलू बाजार के प्रमुख बेंचमार्क निफ्टी और सेंसेक्स 1.5 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ गए।

ऑटो और बैंक शेयरों ने बाजार को समर्थन दिया, जिससे दोनों प्रमुख बेंचमार्क अपने दिन के उच्चतम स्तर के करीब बंद हुए। दोनों पक्षों के विरोधाभासी बयानों के बीच अमेरिका-ईरान युद्ध में तनाव कम होने की उम्मीद से निवेशकों में जोखिम भावना में सुधार हुआ।

बाजार बंद होने के समय एनएसई निफ्टी50 399.75 अंक या 1.78 प्रतिशत बढ़कर 22,912.40 पर था, तो वहीं बीएसई सेंसेक्स 1.89 प्रतिशत या 1,372.06 अंकों की बढ़त के साथ 74,068.45 पर था। इंट्रा-डे कारोबार में सेंसेक्स 74,212.47 पर खुलकर एक समय 74,489.39 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, तो वहीं निफ्टी50 22,878.45 पर खुलकर एक समय 23,057.30 को टच कर गया था।

व्यापक बाजारों ने बेंचमार्क सूचकांकों से बेहतर प्रदर्शन किया। निफ्टी मिडकैप में जहां 2.60 प्रतिशत की तेजी आई, तो वहीं निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 2.63 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। सेक्टर के हिसाब से देखें तो ऑटो सेक्टर में 2.43 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। वहीं निफ्टी मीडिया (3.45 प्रतिशत की तेजी) और निफ्टी बैंक सेक्टर (2.27 प्रतिशत की तेजी) ने भी बेहतर प्रदर्शन किया। इसके अलावा, निफ्टी आईटी में 1.72 प्रतिशत तो निफ्टी एफएमसीजी में 1.25 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई।

निफ्टी50 में इंडिगो और एलएंडटी के शेयरों में सबसे ज्यादा क्रमशः 5.49 प्रतिशत और 5.17 प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई। इसके बाद बजाज फाइनेंस, इटरनल, एशियन पेंट्स और अपोलो हॉस्पिटल के शेयरों में भी अच्छी तेजी देखने को मिली, जबकि कोल इंडिया, पावरग्रिड, सन फार्मा और सिप्ला के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। बाजार में आई इस तेजी से बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों के कुल बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 7.74 लाख करोड़ रुपए की बढ़त दर्ज की गई, जिससे यह पहले (सोमवार) के 415.11 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 422.85 लाख करोड़ रुपए हो गया। यानी एक ही दिन में निवेशकों को करीब 8 लाख करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ।

सिगरेट की हर कश में जल रही आपकी गाढ़ी कमाई, आज ही छोड़ें तो इतने सालों में बन जाएंगे लखपति

नई दिल्ली ,मार्च,। हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में खर्चों की कई ऐसी छोटी-छोटी आदतें होती हैं, जिन पर अक्सर हमारा ध्यान नहीं जाता। इनमें सबसे बड़ा और खतरनाक नाम है सिगरेट। यह जानलेवा लत सिर्फ आपके स्वास्थ्य को ही अंदर से खोखला नहीं कर रही है, बल्कि आपकी जीवनभर की वित्तीय स्थिति को भी दीमक की तरह चाट रही है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि अगर सिगरेट के धुएं में उड़ने वाली इस भारी-भरकम रकम को तुरंत रोककर सही जगह निवेश कर दिया जाए, तो भविष्य के लिए एक बेहद मजबूत आर्थिक दीवार तैयार की जा सकती है।

दो दशकों में आसमान पर पहुंचे सिगरेट के दाम

अगर पिछले दो दशकों के आंकड़ों पर नजर डालें, तो सिगरेट की कीमतों में बेतहाशा और चौंकाने वाली वृद्धि हुई है। साल 2005 में सिगरेट का जो पैकेट महज 59 रुपये में मिला करता था, आज साल 2026 में उसकी कीमत 480 रुपये के पार जा पहुंची है। महंगाई की इस डराने वाली रफ्तार को देखें तो पिछले 21 वर्षों में इसके दामों में 713 फीसदी का भारी उछाल आया है। आंकड़ों के मुताबिक, साल 2010 में यह 96 रुपये, 2015 में 200 रुपये और 2020 में 300 रुपये का आंकड़ा पार कर गई थी।

जल गंगा संवर्धन अभियान बन रहा जल संरक्षण का सशक्त माध्यम

जल चौपालों में दिलाया जा रहा जल संरक्षण का संकल्प

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में 'जल गंगा संवर्धन अभियान' प्रदेश में जल संरक्षण की सशक्त पहल बनकर उभरा है। जनभागीदारी, जागरुकता और सामूहिक प्रयासों से यह अभियान जल संकट के समाधान के साथ ही पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

प्रदेश में संचालित 'जल गंगा संवर्धन अभियान-2026' जल संरक्षण और संवर्धन का सशक्त माध्यम बन गया है। 'बूंद-बूंद का संरक्षण' और 'जनभागीदारी' के सिद्धांत पर संचालित हो रहा यह अभियान पारंपरिक जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन और राज्य को जल-संपन्न बनाने की दिशा में प्रभावकारी सिद्ध रहा है। जबलपुर संभाग में अभियान के अंतर्गत नर्मदा नदी सहित क्षेत्र के तालाबों, कुओं और अन्य जल संरचनाओं के पुनर्भरण, साफ-सफाई और संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सक्रिय जन भागीदारी ने इस अभियान को जन-आंदोलन बना दिया है। इस अभियान से जल प्रबंधन और पर्यावरण पारिस्थितिकी संतुलन की स्थिति में सुधार हो रहा है।

जल चौपाल से जल जागरुकता जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जबलपुर जिले के कुंडम विकासखंड में कलेक्टर श्री राघवेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में ग्राम झोझ स्थित खेरमाता मंदिर परिसर में जल चौपाल का आयोजन कर ग्रामीणों को जल संरक्षण का संकल्प दिलाया गया। साथ ही जल स्त्रोतों की साफ-सफाई और सोक-पिट्स के निर्माण की कार्ययोजना तैयार की गई। अभियान के अंतर्गत कटनी जिले के रीठी विकासखंड के ग्राम पोड़ी में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद एवं नवांकुर संस्था द्वारा जल जागरूकता चौपाल आयोजित की गई। इस दौरान तालाब, नदी, बावड़ी जैसे जल स्त्रोतों के गहरीकरण, साफ-सफाई से वर्षा जल संरक्षण के लिये श्रमदान का संकल्प दिलाया गया। कलश यात्रा एवं जन-जागरूकता रैली के माध्यम से भी सामूहिक स्वच्छता अभियान संचालित किया गया। जल शक्ति से नव भक्ति नरसिंहपुर जिले के चांवरपाठा विकासखंड के ग्राम सिमरियाकला में वृक्ष पूजन, पौधरोपण एवं स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित कर जल संरक्षण का संदेश दिया गया। ग्रामीणों को जल की प्रत्येक बूंद बचाने की शपथ दिलाई गई।

पेट्रोल-डीजल खबर के बाद डीएसओ पर दबाव और डील के आरोप!

सुल्तानपुर । पेट्रोल-डीजल क्राइसेस पर खबर चलने के बाद अब मामला और गरमा गया है। सूत्रों के मुताबिक, खबर प्रसारित होते ही जिला पूर्ति अधिकारी और एक कोटेदार द्वारा दबाव बनाने की कोशिशें शुरू हो गईं। दावा किया जा रहा है कि खबर को हटवाने के लिए लगातार फोन और संपर्क किए गए, जिससे पूरे मामले में 'मैनेजमेंट' का खेल सामने आता दिख रहा है। इस बीच, एक कथित वायरल ऑडियो ने मामले में और आग लगा दी है। सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रही इस ऑडियो क्लिप को लेकर लोग तरह-तरह की चर्चाएं कर रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि इसमें डीएसओ से जुड़ी बातचीत सामने आई है, जो पूरे विवाद को और गहरा कर रही है। हालांकि, इस वायरल ऑडियो की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। सूत्र यह भी बताते हैं कि डीएसओ एक कोटेदार के साथ एक चैनल के स्थानीय कार्यालय तक पहुंचे, जहां मामले को सेटल करने की कोशिश की गई। साथ ही संबंधित लोगों को कार्यालय बुलाने का दबाव भी बनाया गया। अब सवाल उठता है कि आखिर एक खबर से इतना दबाव क्यों? क्या यह सिर्फ गलतफहमी है या फिर सच्चाई को दबाने की कोशिश? वायरल ऑडियो और लगातार बढ़ते आरोपों के बीच यह मामला अब जिले में चर्चा का बड़ा विषय बन गया है।

सरेशाम गोली मारकर प्रापर्टी डीलर की हत्या

सुल्तानपुर । व्यवसाय के लिए प्लाटिंग की गई जमीन में रास्ते के विवाद को लेकर आपसी बैठक में समझौता न होने पर हिस्सेदारों द्वारा सरेशाम हत्या किए जाने का आरोप लगा है। पुलिस ने तीन नामजद सहित एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला कुड़वार थाना क्षेत्र के कस्बे का है।बताया जाता है कि बुधवार सरेशाम हलियापुरङ्कसुल्तानपुर मार्ग स्थित एक कॉम्प्लेक्स में खड़े माता प्रसाद पांडेय (55) पुत्र स्व. वशिष्ठ पांडेय निवासी पूरे बेनी माधव (नरवापार) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। देर रात मृतक के बेटे अवनीश पांडेय ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि उनके पिता ने बांसी गांव निवासी अशोक तिवारी से चौहद्दी देकर जमीन लिखाई थी, जिसे लेकर हिस्सेदार रमेश मौर्य असंतुष्ट थे।आरोप है कि बुधवार दिन में जुड़इयापुर गांव में सतीश उपाध्याय के घर बैठक हुई, जिसमें रमेश मौर्य, सुरेंद्र शर्मा, रुस्तम, राहुल सिंह व अजय शुक्ला मौजूद थे। बैठक के दौरान मृतक और सुरेंद्र शर्मा के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि सुरेंद्र शर्मा और रमेश मौर्य यह कहते हुए वहां से चले गए कि थोड़ी देर रुको, अभी तुमसे रास्ता ले लेंगे।शाम करीब सात बजे कुड़वार कस्बे में कॉम्प्लेक्स के पास खड़े माता प्रसाद पांडेय पर दो बाइक सवार बदमाशों ने गोली चला दी।

संक्षिप्त समाचार

शॉर्ट सर्किट से लगी आग, दो कच्चे घरों की गृहस्थी जलकर राख

सुल्तानपुर मार्च ।बल्दीराय तहसील क्षेत्र के निसासिन गांव में गुरुवार को बिजली के शॉर्ट सर्किट से लगी आग में दो कच्चे घरों की पूरी गृहस्थी जलकर राख हो गई।आग की घटना में पशुधन,अनाज और वाहन सहित लाखों रुपये का नुकसान बताया जा रहा है।ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया जा सका।निसासिन गांव निवासी मुन्तजीम अहमद और मुतीन अहमद के कच्चे मकान में अचानक शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और घर में रखा अनाज, कपड़े, बर्तन और अन्य सामान जलने लगा। आग की लपटें उठती देख ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।आगजनी की इस घटना में मुन्तजीम अहमद की 12 बकरियां, एक बाइक, तीन साइकिल तथा कई कुंतल अनाज जलकर राख हो गया। पीड़ित परिवार खुले आसमान के नीचे आ गया है।ग्रामीणों ने घटना की सूचना हल्का लेखपाल, एसडीएम और तहसीलदार को दे दी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को शीघ्र आर्थिक सहायता दिलाए जाने की मांग की है।

आरपीएफरांची द्वारा अवैध शराब की बरामदगी एवं तीन अभियुक्त गिरफ्तार

श्री पवन कुमार के निर्देशन में रेलवे सुरक्षा बल द्वारा ऑपरेशन सतर्क के अंतर्गत निरंतर सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 25.03.2026 को आरपीएफ पोस्ट रांची एवं फ्लाइंग टीम रांची के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा टाटिसिलवे रेलवे स्टेशन पर पोस्ट कमांडर रांची के पर्यवेक्षण में संदिग्ध वस्तुओं के विरुद्ध विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान प्लेटफॉर्म संख्या 01 पर तीन व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में भारी सामान से भरे ट्रॉली बैग के साथ खड़े पाए गए। संदेह के आधार पर उन्हें रोका गया तथा पूछताछ एवं जांच करने पर उनके पास से भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की गई। गिरफ्तार व्यक्तियों का विवरण है दिलजले कुमार (26 वर्ष), पिता ङ्क अनिल साह, निवासी ङ्क बिनोदपुर, वार्ड संख्या 11, थाना ङ्क सिंहौल, जिला ङ्क बेगूसराय (बिहार), रवि कुमार (18 वर्ष), पिता ङ्क मनोज पासवान, निवासी ङ्क बिनोदपुर, वार्ड संख्या 11,

नैतिक पार्टी के पूर्वांचल प्रभारी बने प्रेम मोहन त्रिपाठी, समर्थकों में उत्साह

सुल्तानपुर । शहर के पयागीपुर निवासी प्रेम मोहन त्रिपाठी को नैतिक पार्टी का पूर्वांचल प्रभारी बनाए जाने पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। जैसे ही उनके नियुक्ति की खबर सुल्तानपुर पहुंची, समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। शहर पहुंचने पर लोगों ने मिठाई खिलाकर उन्हें बधाई दी और फूल मालाओं से स्वागत किया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने कहा कि उनके नेतृत्व में पार्टी को पूर्वांचल क्षेत्र में नई मजबूती मिलेगी और संगठन का विस्तार तेजी से होगा। प्रेम मोहन त्रिपाठी ने सभी समर्थकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी उनके लिए सम्मान के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन को मजबूत बनाने के लिए पूरी निष्ठा से काम करेंगे। स्वागत कार्यक्रम में मौजूद कार्यकर्ताओं ने उनके नेतृत्व में क्षेत्रीय मुद्दों को उठाने और जनता के बीच सक्रिय रहने का संकल्प भी लिया। अपने बयान में प्रेम मोहन त्रिपाठी ने कहा कि वे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व न्यायधीश चंद्र भूषण पाण्डेय के आभारी हैं, जिन्होंने उन पर विश्वास जताया।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने उज्जैन में श्री अंगारेश्वर महादेव का सपत्नीक पूजन, दर्शन कर अभिषेक किया।

रामनवमी शोभा यात्रा को लेकर श्री महावीर मंडल पूर्वी क्षेत्र की प्रेस कॉन्फ्रेंस, भव्य आयोजन की तैयारियां पूरी

श्री रामनवमी के पावन अवसर पर निकलने वाली भव्य शोभा यात्रा को लेकर श्री महावीर मंडल पूर्वी क्षेत्र द्वारा एक महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस मौके पर मंडल के अध्यक्ष रमेश सिंह एवं कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग वर्मा मौजूद रहे। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पदाधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष रामनवमी शोभा यात्रा को भव्य एवं आकर्षक रूप देने की व्यापक तैयारियां की गई हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा व्यवस्था एवं अनुशासन बनाए रखने के लिए विशेष दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। अध्यक्ष रमेश सिंह ने कहा कि हर वर्ष की तरह इस बार भी बड़ी संख्या में रामभक्त शोभा यात्रा में शामिल होंगे, जिसके लिए प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। रामनवमी जुलूस की शोभा यात्रा सैनिक कॉलोनी से निकलकर तपोवन मंदिर तक जाएगी जिसमें हज़ारो की संख्या में पुरुष और महिलाएं शामिल होंगी. उन्होंने राज्य सरकार से डीजे बजाने एक दिन बजाने की मांग की. उन्होंने कहा कि डीजे बजेगा लेकिन हॉस्पिटल के आस पास आवाज़ धीमा रहेगा. वहीं कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग वर्मा ने सभी अखाड़ों एवं श्रद्धालुओं से शांति, सौहार्द और अनुशासन के साथ पर्व मनाने की अपील की। मंडल की ओर से यह भी जानकारी दी गई कि शोभा यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर स्वागत मंच, पेयजल एवं प्राथमिक चिकित्सा की व्यवस्था की जाएगी, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। प्रेस कॉन्फ्रेंस के अंत में सभी से मिलजुलकर रामनवमी को शांतिपूर्ण एवं भव्य तरीके से मनाने का आह्वान किया गया।

दहेज क़े खिलाफएकजुट हुआ मुस्लिम समाज

सुल्तानपुर । इसौली विधानसभा के इस्लामगंज में दहेज प्रथा के खिलाफ आयोजित एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में सहभागिता रही, जिसका आयोजन मुस्लिम समाज द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सर्वसम्मति से यह संकल्प लिया गया कि न तो लड़के वाले दहेज लेंगे और न ही बेटी वाले दहेज देंगे — समाज को इस कुरीति से मुक्त करने की दिशा में यह एक सराहनीय पहल है।इसके पश्चात अन्य सामाजिक मुद्दों पर भी विस्तृत चर्चा की गई, जिसमें समाज के उत्थान और आपसी सौहार्द को मजबूत करने पर बल दिया गया। कार्यक्रम के बाद विधानसभा क्षेत्र के असरोगा।

193 जोड़ों ने लिए सात फेरे, 3 जोड़ों का निकाह,1 सिख जोड़े का आनंद कारज

सुलतानपुर । मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत गुरुवार को बल्दीराय ब्लॉक परिसर में भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया,जिसमें कुल 197 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे। वैदिक मंत्रोच्चार,निकाह और सिख रीति-रिवाज के अनुसार संपन्न हुए विवाह समारोह ने सामाजिक समरसता और सामूहिक सहयोग की मिसाल पेश की। बड़ी संख्या में परिजन,जनप्रतिनिधि और क्षेत्रीय लोग इस आयोजन के साक्षी बने।समारोह में 193 जोड़ों ने हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार अग्नि के सात फेरे लेकर जीवनभर साथ निभाने की शपथ ली।

साइबर ठगी में पश्चिम बंगाल के फरीद की जमानत खारिज

सुलतानपुर । ऑनलाइन ट्रेडिंग के जरिए लोगों को अपने जाल में फंसाकर धोखाधड़ी करने व 2.75 करोड़ की साइबर ठगी के आरोप से जुड़े मामले में पश्चिम बंगाल के आरोपी फरीद मलिक की तरफसे प्रस्तुत जमानत अर्जी पर बुधवार को जिला जज की अदालत मे सुनवाई चली। प्रभारी जिला जज संध्या चौधरी की अदालत ने आरोपी के अपराध को समाज के लिए अत्यंत घातक व बेहद गंभीर मानते हुए उसकी जमानत अर्जी खारिज कर दिया है। कोतवाली नगर के विवेकानन्द नगर के वर्तमान व चांदा थाने के सफीपुर स्थायी निवासी भास्कर पांडेय ने गत 14 अक्टूबर को अशिका वेल्थ बिल्डर्स नेटवर्क के व्हाट्सएप ग्रुप के खिलाफसाइबर थाने में धोखाधड़ी व लाखों की ठगी का मुकदमा दर्ज कराया। उनके आरोप के मुताबिक साइबर ठगों ने उन्हें अपने जाल में फंसाकर 10.11 लाख रुपए गत अप्रैल व मई माह में जमा कराकर उनसे ठग लिए। ठगी का शिकार होने की जानकारी मिलने पर उन्होंने मामला दर्ज कराया। वहीं अमेठी जिले के अभिषेक सिंह ने भी इन्हीं साइबर ठगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।आरोपियो का यह गिरोह कई प्रदेशों में फैला हुआ है। पुलिस की जांच में करीब 2.75 करोड़ रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। मामले में लोगों को लुभावनी स्कीम बताकर उन्हें अपने जाल में फंसा कर निवेश करने व बड़े स्तर पर फ्रॉड का काम आरोपी करते रहे।

प्रदेश सरकार किसानों के हित में निरंतर कर रही कार्य : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

भोपाल । ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा है कि म.प्र. सरकार प्रदेश के किसानों के हित में निरंतर कार्य कर रही है। जैसे कि अटल कृषि ज्योति योजना के तहत 10 हॉर्स पावर तक के कृषि उपभोक्ताओं के बिलों पर म.प्र. विद्युत नियामक आयोग द्वारा जारी विद्युत दरों पर सब्सिडी स्वीकृत की जाती है, जिसके अनुसार उपभोक्ता द्वारा दी जाने वाली राशि नियामक आयोग द्वारा जारी दरों की मात्र लगभग 7 प्रतिशत राशि ही जमा करना होती है जबकि म.प्र. सरकार कृषि उपभोक्ताओं के बिलों का लगभग 93 प्रतिशत राशि सब्सिडी के रूप में वहन करती है। इसके अतिरिक्त राज्य शासन की अटल गृह ज्योति योजना के तहत 150 यूनिट प्रति माह तक मासिक खपत वाले घरेलू उपभोक्ताओं को प्रथम 100 यूनिट पर मात्र 100 रूपये एवं अतिरिक्त 50 यूनिट पर वास्तविक दर से भुगतान करने का प्रावधान है। अत: घरेलू उपभोक्ताओं को 100 यूनिट तक के बिल पर पूर्व के भांति अटल गृह ज्योति योजना के तहत मात्र 100 रुपये का ही भुगतान करना होगा जबकि 100 यूनिट खपत पर शहर के प्रत्येक घरेलू उपभोक्ताओं की तरफ से शासन द्वारा सब्सिडी के रूप में लगभग 600 रूपये वहन किये जायेंगे। इस प्रकार के घरेलू उपभोक्ता जिनको सरकार सब्सिडी प्रदान कर रही है उनकी संख्या पूरे प्रदेश में लगभग एक करोड़ है, जबकि प्रदेश में कुल लगभग 38 लाख कृषि उपभोक्ता हैं जो सब्सिडी का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। इस प्रकार चालू वित्तीय वर्ष में सरकार द्वारा लगभग 25 हजार 800 करोड़ सब्सिडी के रूप में वहन किये जा रहे है। उल्लेखनीय है कि आयोग के निर्देश पर एम.पी. पॉवर मैनेजमेंट कंपनी द्वारा प्रत्येक माह एफ.पी.पी.ए.एस. विद्युत नियामक आयोग द्वारा जारी टैरिफ आदेश के मुख्य बिन्दु 1. विद्युत दरों में विगत वर्ष में लागू दरों की तुलना में वितरण कंपनियों द्वारा मांगी गयी 10.19 प्रतिशत वृद्धि के विरूद्ध मात्र 4.8 प्रतिशत की औसत दर वृद्धि की गई है। 2. मौसमी उपभोक्ताओं (एच.वी.4) तथा मेट्रो रेल (एच.वी.9): के टैरिफ में कोई वृद्धि नहीं। 3. उच्च दाब घरेलू (।ङ्क-6), उच्च दाब कृषि (।ङ्क-5) एवं उच्च दाब मेट्रो श्रेणी के उपभोक्ताओं के न्यूनतम प्रभार समाप्त किये गये। इसके पूर्व विगत वर्षों में निम्न दाब घरेलू, गैर घरेलू, पब्लिक वॉटर वर्कस एवं स्ट्रीट लाईट, निम्न दाब औद्योगिक, निम्न दाब कृषि एवं उच्च दाब मौसमी (स्श्वस्ह्वरु) श्रेणी के उपभोक्ताओं पर न्यूनतम प्रभार समाप्त किये जा चुके हैं। 4. विगत वर्ष की भांति उपभोक्ताओं को मीटर रेट अथवा मीटरिंग चार्ज नहीं लगेंगे।

अभी भी जारी है मेडिकल कालेज में बदइंतजामी का दौर

सुल्तानपुर । राजकीय मेडिकल कालेज से प्राचार्य द्वारा 43 कर्मचारियों को रिलीव करने के बावजूद अभी भी कुछ रिलिविंग से बचे हुए चिकित्सक अपनी प्राइवेट प्रैक्टिस से बाज नहीं आ रहे है यही मंजर जनपद को वाराणसी से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित इकलौता ट्रॉमा सेंटर में भी देखने को मिल रहा है मेडिकल कॉलेज के अधीन होने के बावजूद यहां आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं धडाम नजर आ रही हैं। हालत यह है कि सड़क हादसों में घायल मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिल पा रहा, जिससे उनकी परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है।

जानकारी के अनुसार ट्रॉमा सेंटर में चिकित्सकों की तैनाती होने के बावजूद नियमित सेवाएं नहीं मिल रही हैं। यहां डॉक्टर समीर सुमन, डॉक्टर आर. ए. वर्मा, डॉक्टर गुफरान समेत दो जूनियर रेजिडेंट तैनात हैं, लेकिन केंद्र पर सेवाएं सिर्फसुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक ही सीमित हैं। जबकि नियमों के तहत ट्रॉमा सेंटर में 24 घंटे इमरजेंसी सेवाएं उपलब्ध होनी चाहिए। स्थानीय लोगों का आरोप है कि तैनात चिकित्सक सरकारी ड्यूटी से अधिक निजी प्रैक्टिस में व्यस्त रहते हैं।

दो दमदार कहानियाँ, एक शानदार वीकेंड; देखना नभूलें 'कल्कि 2898 ए.डी.' का ज़ी एक्शन प्रीमियर

इस वीकेंड तैयार हो जाइए एक ऐसे शानदार सिनेमाई सफर के लिए, जहाँ दो अलग अलग तरह की दमदार फिल्में लगातार दो दिनों में आपके टीवी स्क्रीन पर आने वाली हैं। देखिए अश्वत्थामा की कहानी और कल्कि अवतार का उदय, 'कल्कि 2898 ए.डी.' के ज़ी एक्शन प्रीमियर में, शुक्रवार 27 मार्च शाम 7:30 बजे, सिर्फ ज़ी एक्शन पर। जब दुनिया अंधेरे में डूब जाती है, तब कल्कि अवतार उम्मीद की एक किरण बनकर सामने आता है, जिसका उद्देश्य धर्म को फिर से स्थापित करना है। नाग अश्विन के निर्देशन में बनी 'कल्कि 2898 ए.डी.' भारतीय सिनेमा को एक नए स्तर पर ले जाती है। जबर्दस्त वीएफएक्स, शानदार विजुअल्स और पौराणिक कहानी को भविष्य के साथ जोड़कर ये फिल्म एक अलग ही अनुभव देती है। इसकी कहानी महाभारत के युद्ध के बाद शुरू होती है, जब श्रीकृष्ण अश्वत्थामा को श्राप देते हैं और वहीं से एक लंबी कहानी की शुरुआत होती है। बड़े युद्ध, भविष्य के शहर और हर फ्रेम इसे एक शानदार सिनेमाई अनुभव बनाते हैं, जहाँ पुरानी कहानी और नए दौर की सोच एक साथ नजर आती है।

कंगना रनौत के निर्देशन और अभिनय से सजी 'इमरजेंसी' में वो देश की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के किरदार में नजर आती हैं। फिल्म उस समय की राजनीतिक हलचल और उस दौर में उठी आवाजों को दिखाती है, जो दबाव और सेंसरशिप के खिलाफ खड़ी हुईं। फिल्म में अनुपम खेर जयप्रकाश नारायण के रोल में हैं, श्रेयस तलपड़े युवा अटल बिहारी वाजपेयी के किरदार में नजर आते हैं और मिलिंद सोमन सैम मानेकशॉ की भूमिका निभाते हैं। इनके साथ महीमा चौधरी और दिवंगत सतीश कौशिक की यादगार परफॉर्मेंस भी देखने को मिलेगी। यह सिर्फ एक ऐतिहासिक कहानी नहीं, बल्कि लोकतंत्र की ताकत और चुप्पी की कीमत को दिखाने वाली फिल्म है, जो आज भी उतनी ही असरदार लगती है।

बीसीसीआई ने जारी किया आईपीएल के दूसरे चरण का कार्यक्रम, 24 मई तक होंगे लीग मैच

बीसीसीआई ने आईपीएल 2026 के दूसरे चरण का कार्यक्रम गुरुवार को घोषित किया। बीसीसीआई ने हालांकि अभी तक प्लेऑफ और फाइनल का शेड्यूल जारी नहीं किया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल 2026 के दूसरे चरण का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। हालांकि, बोर्ड ने फिलहाल प्लेऑफ और फाइनल मैच की तारीख और स्थल का एलान नहीं किया है। लेकिन समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, खिताबी मुकाबला 31 मई को बंगलूरू में खेला जाएगा। बीसीसीआई ने 70 लीग मैचों का कार्यक्रम घोषित किया है जो 24 मई तक चलेगा। आईपीएल के 19वें सीजन की शुरुआत 28 मार्च से होगी। बोर्ड ने पहले 20 मैचों का कार्यक्रम घोषित किया था और अब दूसरे चरण में बीसीसीआई ने लीग चरण के शेष 50 मैचों का शेड्यूल जारी कर दिया है। क्यों दो भाग में आया कार्यक्रम? आईपीएल 2026 का कार्यक्रम दो भागों में जारी किया गया है। पहले 20 मैचों का शेड्यूल जारी हुआ था और अब लीग चरण के शेष 50 मैचों का कार्यक्रम घोषित किया गया है। इसका कारण पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव हैं। असम, पुडुचेरी, केरल, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में अगले महीने विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव के नतीजे चार मई को जारी होंगे। बीसीसीआई ने इन राज्यों में चुनाव घोषित होने के बाद लीग चरण का पूरा कार्यक्रम घोषित किया है। खिताब बचाने उतरेगी आरसीबी आरसीबी की टीम इस बार अपने खिताब का बचाव करने उतरेगी। आरसीबी ने 2025 में पंजाब किंग्स को हराकर पहली बार आईपीएल का खिताब जीता था। आरसीबी के लिए राहत की बात यह है कि उसके होम ग्राउंड चिन्नास्वामी स्टेडियम को मुकाबले की मेजबानी करने की मंजूरी मिल गई है। आईपीएल 2026 का उद्घाटन मैच बंगलूरू में ही खेला जाएगा।

13 शहरों में होंगे मैच– बीसीसीआई ने पहले 12 अप्रैल तक के मैचों का कार्यक्रम जारी किया था और अब 13 अप्रैल से 24 मई तक का शेड्यूल बता दिया है। दूसरे चरण में 12 वेन्यू पर आईपीएल के मुकाबले खेले जाएंगे, जबकि आईपीएल 2026 में कुल 13 स्थानों पर मैच होंगे। दूसरे चरण में बंगलूरू, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, दिल्ली, अहमदाबाद, हैदराबाद, लखनऊ, जयपुर, धर्मशाला, रायपुर और न्यू चंडीगढ़ में मुकाबले होंगे। पहले चरण में गुवाहाटी भी आईपीएल मैचों की मेजबानी कर रहा है, लेकिन दूसरे चरण में वहां मैच नहीं होंगे।

ये 10 खिलाड़ी जिन पर आईपीएल में रहेगी नजरें, औकिब से लेकर प्रशांत का नाम शामिल

आईपीएल 2026 का सीजन शुरू होने जा रहा है और एक बार फिर कुछ नए चेहरों पर नजर रहने वाली है। भारतीय हों या विदेशी खिलाड़ी हर सीजन कुछ ऐसे खिलाड़ी टूर्नामेंट में आते हैं जो अपने प्रदर्शन से ना सिर्फ फ्रेंचाइजी बल्कि पूरे क्रिकेट जगत को प्रभावित कर लेते हैं। आइए जानते हैं इस बार वो कौन से 10 खिलाड़ी हैं जो क्रिकेट जगत का नया सितारा बनकर उभर सकते हैं... वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पिछले सत्र में अपने शानदार प्रदर्शन से सुर्खियां बटोरी थी तथा इस टी20 टूर्नामेंट के आगामी सत्र में भी कुछ युवा खिलाड़ी अपना जलवा दिखा सकते हैं। आइए जानते हैं उन 10 खिलाड़ियों के बारे में जो आईपीएल के मौजूदा सीजन में दमदार प्रदर्शन कर क्रिकेट जगह में सितारा बनाकर उभर सकते हैं। इस सूची में उन भारतीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के नाम शामिल हैं जिन्होंने या तो अभी तक आईपीएल में डेब्यू नहीं किया है या अब तक पांच से कम मैच खेले हैं। भारत में ऐसे कई क्रिकेटर हैं जो धीमी गति से बाएं हाथ से गेंदबाजी करते हैं और बाएं हाथ से बल्लेबाजी करते हैं। लेकिन अमेठी में जन्मे 20 वर्षीय प्रशांत वीर की तरह रवींद्र जडेजा की जगह भरने की चुनौती का सामना कोई नहीं कर रहा है। चेन्नई सुपर किंग्स ने इससे पहले युवा खिलाड़ियों पर इतना अधिक भरोसा कभी नहीं दिखाया था। इस फ्रेंचाइजी ने ट्रायल के दौरान प्रशांत वीर का खेल देखा और इस आधार पर 14.20 करोड़ रुपये की बोली लगाकर उन्हें अपने साथ जोड़ा। प्रशांत वीर ने उम्मीद जगा दी है कि आईपीएल के इस सत्र में वह अपनी विशेष छाप छोड़ सकते हैं। औकिब नबी (दिल्ली कैपिटल्स): औकिब नबी की उम्र 29 साल है और उन्हें युवा खिलाड़ी नहीं कहा जा सकता है लेकिन उनके प्रदर्शन पर सभी की नजर

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए भारतीय महिला टीम घोषित, काशवी को मिला मौका

नईदिल्ली,। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को अप्रैल में दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के खिलाफ टी-20 सीरीज खेलनी है। 5 मैचों की सीरीज के लिए भारतीय महिला चयन समिति ने टीम की घोषणा की है, जिसमें काशवी गौतम और अनुष्का शर्मा को भी जगह मिली है। हरमनप्रीत कौर टीम की कप्तानी करेंगी, जबकि स्मृति मंधाना टीम की उपकप्तान होंगी। आइए भारत की टीम और सीरीज के कार्यक्रम पर एक नजर डालते हैं।

कमलिनी ने दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ घरेलू सीरीज में अपने टी-20 डेब्यू के बाद से कोई भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। कमलिनी उस टी-20 टीम का हिस्सा थीं जिसने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था, लेकिन उन्हें उस सीरीज में खेलने का मौका नहीं मिला था। इसके अलावा पिछली सीरीज में टीम का हिस्सा रहने वाली वैष्णवी शर्मा, स्नेह राणा, और अमनजोत कौर भी दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए नहीं चुनी गई हैं।

हरमनप्रीत की अगुवाई वाली टीम में विकेटकीपर उमा छेत्री को भी चुना गया है। उनके अलावा ऋचा घोष टीम की प्रमुख विकेटकीपर के तौर पर शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारत की टी-20 टीम: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), अरुंधति रेड्डी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, श्री चरणी, श्रेयंका पाटिल, काशवी गौतम, भारती फुलमाली, उमा छेत्री (विकेटकीपर), अनुष्का शर्मा।

काशवी और अनुष्का को पहली बार टी-20 टीम में चुना गया है। 22 साल की की तेज गेंदबाज काशवी विमेंस प्रीमियर लीग में गुजरात जायंट्स टीम का हिस्सा रही हैं। उन्होंने इस टीम के लिए 18 मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 19 विकेट लिए हैं। वह भारत के लिए 6 वनडे और 1 टेस्ट खेल चुकी हैं। 22 साल की ऑलराउंडर अनुष्का ने भारत की ओर से कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है।

17 अप्रैल को होने वाले पहले मैच से टी-20 सीरीज की शुरुआत हो जाएगी। इसके बाद 19 अप्रैल को दूसरा मैच खेला जाना है। शुरुआती दोनों मैच डरबन में होने हैं। इसके बाद 22 अप्रैल को तीसरा टी-20 और चौथा टी-20 मैच 25 अप्रैल को खेला जाएगा। ये दोनों मैच जोहान्सबर्ग में खेले जाने हैं। सीरीज का 5वां और आखिरी मैच 27 अप्रैल को बेनोनी में खेला जाएगा।

बता दें कि उनके खिलाफ यौन शोषण के गंभीर आरोप लगे थे। तब से दयाल को प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से बाहर रखा गया है। इसके साथ-साथ उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने उन्हें पूरे घरेलू सीजन के लिए टीम में नहीं चुना था।

अक्षर के बाद अब शुभमन गिल ने भी इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर उठाए सवाल, जानें क्यों हैं इसके खिलाफ?

आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर नियम को लेकर अब विरोध बढ़ता जा रहा है। पहले दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने इसके खिलाफ बयान दिया और अब गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने इस पर सवाल खड़े किए हैं। इम्पैक्ट प्लेयर नियम से टीमों के मैच के दौरान एक खिलाड़ी को बाहर भेजकर दूसरे किसी खिलाड़ी को शामिल करने की मंजूरी मिलती है। इस नियम पर पहले भी भारतीय खिलाड़ियों ने आपत्ति जताई है, जिनमें रोहित शर्मा, हार्दिक पंड्या और हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल शामिल हैं। मुंबई में बुधवार को हुई आईपीएल कप्तानों की बैठक में गिल सहित अधिकांश कप्तानों ने बीसीसीआई से इस नियम की समीक्षा करने की मांग की। यह नियम 2023 में लागू किया गया था और इसे कम से कम 2027 तक बढ़ाया गया है। गिल ने कहा, निजी तौर पर मेरे ख्याल से इम्पैक्ट प्लेयर नियम नहीं होना चाहिए। इस मैच एकतरफा होता है। क्रिकेट सामान्यत: 11 खिलाड़ियों का खेल है। इसमें एक अतिरिक्त बल्लेबाज या गेंदबाज जोड़ने से खेल की वास्तविक चुनौती

और खिलाड़ी की कौशल का महत्व कम हो जाता है। खेल में एक निश्चित कौशल होता है। अगर आपकी कुछ मुख्य बल्लेबाज जल्दी आउट हो जाएं, तो टीम को अच्छी स्कोर तक पहुंचाने के लिए रणनीति और कौशल की जरूरत होती है। लेकिन इस एक अतिरिक्त खिलाड़ी से खेल का झुकाव एकतरफा हो गया है। इससे चुनौती भी कम हो गई है। मेरे लिए आसान पिच पर 220 रन का पीछा करने से ज्यादा रोमांच चुनौतीपूर्ण पिच पर 180 या 160 रन का पीछा करने में है।

गिल बोले- किसी को कुछ साबित करने की जरूरत नहीं

शुभमन गिल ने कहा कि 2026 टी20 विश्व कप से पहले भारतीय टीम से बाहर किए जाने के बाद उन्हें आगामी आईपीएल में किसी को कुछ साबित करने की आवश्यकता नहीं है। गिल टी20 विश्व कप से पहले भारत के उपकप्तान थे, लेकिन संजू सैमसन को शीर्ष क्रम में जगह देने के लिए उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। भारत ने इस बार रिकॉर्ड तीसरी बार खिताब जीता। गिल भारत की टेस्ट और वनडे टीमों के कप्तान होने के साथ-साथ आईपीएल में गुजरात टाइटंस का नेतृत्व भी कर रहे हैं।

गिल से पूछा गया कि क्या विश्व कप में नजरअंदाज किए जाने के बाद उन्हें कुछ साबित करना है, तो गिल ने कहा, पिछले तीन-चार सत्रों को देखें तो मुझे लगता है कि आईपीएल में मेरे सबसे ज्यादा रन हैं। इस सत्र में मुझे किसी को कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है। पिछले चार साल में हमने टीम के रूप में अच्छा प्रदर्शन किया है और मैंने एक बल्लेबाज के रूप में भी अच्छा किया है।

आईपीएल में जमकर चलता है गिल का बल्ला

गिल लगातार आईपीएल में रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल हैं। उन्होंने पिछले सत्र में 650 रन, उससे पहले 426 रन और 2023 में 890 रन बनाए थे। उन्होंने कहा, मुझे वही करना है जो मैं पिछले चार साल से कर रहा हूं।

आंकड़ों में आरसीबी पर भारी है सनराइजर्स का पलड़ा, कोहली पर होगी

आईपीएल 2026 सीजन का काउंटडाउन शुरू हो गया है और पहले मैच में गत चैंपियन आरसीबी का सामना सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। आंकड़ों में सनराइजर्स का पलड़ा भारी है, लेकिन आरसीबी की टीम बेहद संतुलित नजर आ रही है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सीजन का पहला मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच 28 मार्च को बंगलूरू के एम. चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। आंकड़ों में आरसीबी के खिलाफ सनराइजर्स हैदराबाद का पलड़ा भारी रहा है। आईपीएल इतिहास में इन दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 25 मुकाबले खेले गए हैं। इसमें से 13 मैच सनराइजर्स हैदराबाद ने जीते हैं, जबकि 11 मुकाबलों में आरसीबी को जीत नसीब हुई है। वहीं, एक मुकाबला बेनतीजा रहा है। रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी का प्रदर्शन पिछले सीजन शानदार रहा था। आरसीबी ने 18 साल का सूखा खत्म करते हुए पहली बार खिताब को अपने नाम किया था। कागज पर आरसीबी की टीम इस बार भी काफी दमदार नजर आ रही है। बल्लेबाजी में विराट कोहली और फिल सॉल्ट पिछले सीजन टीम को तूफानी शुरुआत देने में सफल रहे थे। कोहली-सॉल्ट की सलामी जोड़ी आगामी सीजन में भी टीमों के लिए बड़ा सिरदर्द बन सकती है। वहीं, देवदत्त पडिक्कल के लिए घरेलू सीजन कमाल का रहा है। पडिक्कल इस बार नंबर तीन पर खेलते हुए दिखाई दे सकते हैं।

राजस्थान रॉयल्स की पूरी हिस्सेदारी अमेरिकी उद्यमी कल सोमानी के नेतृत्व वाले समूह ने खरीदी

नईदिल्ली,। अमेरिका के उद्यमी कल सोमानी के नेतृत्व वाले एक समूह ने 1.63 अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग 15,289 करोड़ रुपये) में राजस्थान रॉयल्स की शत-प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी है। यह सौदा आईपीएल फ्रेंचाइजी के इतिहास में सबसे महंगे सौदों में से एक माना जा रहा है। इस समूह में सोमानी के साथ रॉब वाल्टन (वॉलमार्ट) और हैम्प (फोर्ड) परिवार भी शामिल हैं। खबरों के मुताबिक, यह स्वामित्व 2026 के आईपीएल संस्करण के बाद प्रभावी होगा। ष्कल सोमानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और स्पोर्ट्स टेक के क्षेत्र में सक्रिय हैं और उन्होंने इंट्राएज और ट्रूयूओ जैसी कंपनियों की स्थापना की है। क्रिकेट के अलावा उनकी गोल्फ में भी काफी दिलचस्पी है। वे मोटर सिटी गोल्फ क्लब के संस्थापकों में से एक हैं। टाइगर वुड्स इस क्लब के प्रमुख चेहरे रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान रॉयल्स की बोली प्रक्रिया में 4 बिड्स आई थीं, जिसमें सोमानी के कंसोर्टियम ने आखिरकार बाजी मारी। राजस्थान रॉयल्स की टीम आईपीएल की पहली सीजन (2008) की विजेता टीम है। शुरू से ही यह फ्रेंचाइजी युवा प्रतिभाओं को निखारने के लिए जानी जाती रही है।

क्या खतरे में है ऋषभ पंत की कप्तानी? लखनऊ सुपरजाएंट्स के मालिक गोयनका ने किया स्पष्ट; बताई सच्चाई

आईपीएल 2026 का सीजन शुरू होने जा रहा है, लेकिन इससे पहले लखनऊ सुपरजाएंट्स के कप्तान ऋषभ पंत को लेकर तमाम तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। अब टीम के मालिका संजीव गोयनका ने इस रिपोर्ट्स को पूरी तरह खारिज कर दिया है।

लखनऊ सुपर जाएंट्स के मालिक संजीव गोयनका ने कप्तान ऋषभ पंत को लेकर चल रही सभी अफवाहों को गलत बताया है। हाल ही में कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था कि आईपीएल 2026 से पहले पंत को कप्तानी से हटाया जा सकता है, लेकिन गोयनका ने इन खबरों को पूरी तरह खारिज कर दिया। उन्होंने साफ कहा कि ये सिर्फ 'फेक रिपोर्ट्स' हैं और टीम का पंत पर पूरा भरोसा है। गोयनका ने पंत के स्वभाव और समर्पण की तारीफ करते हुए उन्हें आने वाले सीजन के लिए शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया

अकाउंट 'एक्स' पर लिखा, ऋषभ पंत की कप्तानी के बारे में अटकलों को पढ़ा था और मुस्कुराया था। हमने उनके व्यक्तित्व और प्रतिबद्धता को जानने के लिए साथ में काफी समय बिताया है। आपका सीजन शानदार हो, कप्तान।

दरअसल, आईपीएल 2025 में पंत का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था। लखनऊ ने उन्हें मेगा ऑक्शन में 27 करोड़ रुपये में खरीदा था, जिसके चलते उनसे काफी उम्मीदें थीं। हालांकि, पंत बल्ले से बुरी तरह से संघर्ष करते हुए नजर आए थे। वह 13 मैचों में सिर्फ 269 रन ही बना सके थे और उनके प्रदर्शन पर सवाल खड़े किए गए थे। यही कारण था कि ऐसी भी अटकलें लगाई जा रही थीं कि लखनऊ टीम आईपीएल 2026 में पंत की जगह पर नया कप्तान चुन सकती है।

पंत ने यूजर्स को दिखाया आइना

आईपीएल 2025 के दौरान भी ऐसी ही एक खबर सामने आई थी, जब पंत ने स्थिति को संभाला था। एक 'एक्स' यूजर ने सुझाव दिया कि पंत को आईपीएल 2026 सीजन से पहले ड्रॉप किया जा सकता है क्योंकि लखनऊ सुपर जाएंट्स के मालिकों का मानना है कि वह उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके। एलएसजी के कप्तान ने इस यूजर को जवाब देते हुए उनसे झूठी बातें फैलाने से पहले थोड़ी समझदारी और भरोसे का इस्तेमाल करने की अपील की थी।

पंत के लिए अहम है मौजूदा सीजन गोयनका के इस बयान से यह साफ हो गया है कि टीम मैनेजमेंट पंत के साथ खड़ा है और उन्हें कप्तान के तौर पर पूरा समर्थन मिल रहा है।

धुरंधर 2' के बड़े साहब को रिलीज से पहले सता रहा था इस बात का डर, बोले- पैकअप होते देर नहीं लगती

फिल्म 'धुरंधर 2' में बड़े साहब का रोल एक्टर दानिश इकबाल ने निभाया है। इस किरदार के लिए उनकी खूब तारीफ हो रही है। हाल ही में अमर उजाला के साथ खास बातचीत में उन्होंने कई दिलचस्प बातें साझा कीं। फिल्म 'धुरंधर 2-द रिवेंज' सिनेमाघरों में सजी हुई है और अपने बॉक्स ऑफिस कलेक्शन से चौंका रही है। इस फिल्म में दानिश इकबाल को 'बड़े साहब' के किरदार में देखा गया है। यह रोल उन्होंने बड़ी खूबसूरती से निभाया है। इसमें कई चुनौतियां भी आईं। दानिश इकबाल ने दाऊद के रोल पर कई चौंकाने वाली बातें कहीं। अमर उजाला से इक्सक्लूसिव बातचीत में उन्होंने क्या कहा? पढ़िए कुछ अंश फिल्म की शूटिंग जब खत्म हुई, आप घर बैठे तो फिल्म रिलीज होने से पहले दिमाग में क्या ख्याल आया? दानिश इकबाल: 'यही आया कि बड़े साहब को लेकर इतना हउआ क्रिएट हो गया था। मुझे डर था कि पता नहीं सीन कैसे एडिट हुआ है और मेरा परफॉर्मेंस कैसा है। अगर लोगों की उम्मीद पर खरा नहीं उतरा तो हमारी इंडस्ट्री में पैकअप होते देर नहीं लगती। आप बहुत जल्दी डिब्बे में डाल दिए जाते हो। मुझे इसी का डर था। हम शूट करके आ जाते हैं तो पता नहीं चलता कि क्या बना होगा। आप हमेशा खुद पर डाउट करते रहते हैं न, तो वह डाउट मेरे अंदर भी था। मगर, जब मैंने देखा तो इंटरनेट पर चीजें आने लगीं। मैसेज आने लगे। फिर मेरे दिल की धड़कन बहुत तेज हो गई। ऐसा लगने लगा कि ऐसा क्या देख लिया इन लोगों ने कि इतना दीवानगी हो गई सबको। ऐसा क्या हो गया उस सीन में? मुझे पता है कि वह सीन ज्यादा फैला हुआ नहीं है। मैं जब दर्शकों के साथ बैठकर देख रहा था और दर्शकों की प्रतिक्रिया आई तो लगा कि मैं कितना भी क्रिटिसाइज कर लूं लेकिन, आपको यह तो मानना पड़ेगा कि दर्शक अगर पसंद कर रहे हैं तो आपने कुछ न कुछ तो किया ही है'। आपका यह किरदार ऐतिहासिक हो जाएगा। आप जिस तरीके से वायरल हुए, लोग आपको सर्च करने लगे। आप पिछले 30 साल से इंडस्ट्री में हैं? शुरुआत कैसे हुई?

दानिश इकबाल: 'कहीं यह छप गया था कि मैंने 30 साल काम किए हैं। मगर, 30 साल मैंने इंडस्ट्री में नहीं काम किया है। 30 साल हो गए मुझे जब मैंने थिएटर शुरू किया था। बहुत यंग एज में मैंने शुरू किया था। पहला नाटक 1994 में किया था। प्ले का नाम था 'गंगा'। अगर वहां से जोड़ेंगे तो 30 साल से ज्यादा ही हो गया। बॉलीवुड में 20 साल हो गए होंगे। मैंने 2003 में पहला सिनेमा किया था'। आपको फ्रेंच फिल्म कैसे मिली? दानिश इकबाल: 'मेरी पढाई इंग्लैंड में हुई है। वहां से मैंने मास्टर्स की है। विदेश के एक्टर और डायरेक्टर्स से मेरा दुआ-सलाम है। बाहर की फिल्म इंडिया में शूट होती है, तो बहुत छोटी से कम्युनिटी है हमारी। एक-दूसरे को पता रहता है।

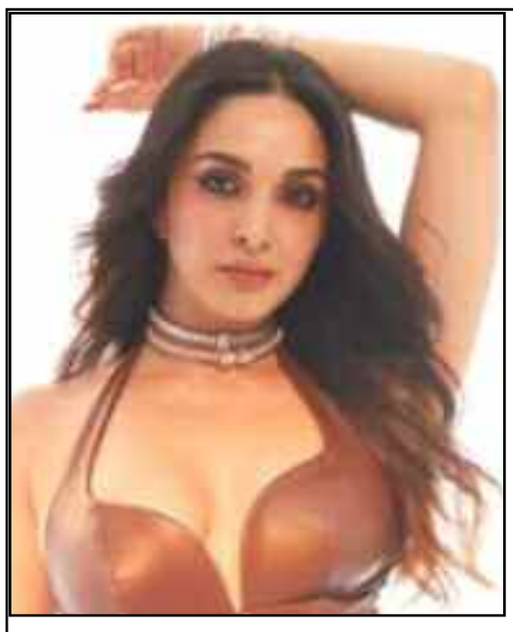

चॉकलेटी गाउन में कियारा आडवानी ने फ्लॉन्ट किया कर्वी फिगर

कियारा आडवाणी ने हाल ही में मुंबई के एक अवॉर्ड फंक्शन में अपनी शानदार मौजूदगी से सबका ध्यान खींच लिया. उनका लुक इतना ग्लैमरस और क्लासी था कि फैंस उन्हें देखते ही रह गए. मां बनने के बाद उनके चेहरे पर एक अलग ही चमक और कॉन्फिडेंस नजर आया, जो उन्हें और खास बना रहा था. इसी बीच आइए कियारा की तस्वीरों और उनके लुक को देखते हैं.

कियारा ने अपने बालों को खुला रखा और हल्के वेव्स में स्टाइल किया. बालों का सॉफ्ट और नेचुरल लुक उनके चेहरे को बहुत खूबसूरती से फ्रेम कर रहा है.

कियारा ने ब्राउन शेड की बॉडी-हगिंग ड्रेस पहनी है, जो उनके फिगर को खूबसूरती से हाइलाइट कर रही है. ड्रेस का डिजाइन सिंपल होते हुए भी काफी स्टाइलिश था.

उनका मेकअप बहुत सटल और एलिगेंट है. ग्लोइंग स्किन, स्मोकी आईज और न्यूड लिप्स ने उनके चेहरे की नैचुरल ब्यूटी को और निखार दिया.

ड्रेस की डीप नेकलाइन और स्लीक डिजाइन ने उनके लुक को बोल्ड और अट्रैक्टिव बना दिया, जिससे लोगों की नजरें उनसे हट ही नहीं पा रही थी.

कियारा ने अपने लुक को मिनिमल रखते हुए सिर्फ एक स्टाइलिश चोकर नेकलेस पहना. यह ज्वेलरी उनके आउटफिट के साथ बहुत अच्छी लग रही थी.

उनकी बॉडी लैंग्वेज कॉन्फिडेंट और ग्रेसफुल थी. कैमरे के सामने उनके हर पोज में एक अलग ही चार्म दिख रहा था, जो उनकी पर्सनालिटी को और खास बना रहा था.

कियारा के लुक और उनकी प्रेजेंस ने इस शाम को खास बना दिया. सोशल मीडिया पर आई तस्वीरें अब फैंस के बीच वायरल हो गई है और हर कोई उनकी तारीफ कर रहा है।

रोजाना करें तरबूज का सेवन, इससे मिल सकते हैं स्वास्थ्य से जुड़े कई लाभ

गर्मियों का मौसम तरबूज के बिना अधूरा सा लगता है। इसका कारण है कि तरबूज न केवल स्वाद में अच्छा होता है, बल्कि इसमें कई ऐसे गुण भी होते हैं, जो सेहत के लिए बहुत फायदेमंद हैं। यह शरीर को पानी से भरपूर रखने के साथ-साथ कई पोषक तत्व भी प्रदान करता है। इस लेख में हम आपको रोजाना एक बार तरबूज खाने के अहम फायदे बताएंगे, जो आपको इसे अपनी खानपान में शामिल करने पर मजबूर कर देंगे

शरीर में पानी की कमी को पूरा करे

तरबूज में लगभग 92 प्रतिशत पानी होता है, जो इसे प्राकृतिक रूप से शरीर को पानी से भरपूर रखने वाला फल बनाता है। गर्मियों में जब शरीर को अधिक पानी की आवश्यकता होती है, तब तरबूज एक बेहतरीन विकल्प साबित होता है। यह न केवल प्यास बुझाता है बल्कि शरीर को ठंडक भी देता है। इसके सेवन से शरीर में पानी की कमी नहीं होती और आप तरोताजा महसूस करते हैं।

वजन घटाने में सहायक

अगर आप वजन घटाने की कोशिश कर रहे हैं तो तरबूज आपके लिए एक आदर्श फल हो सकता है। इसमें कैलोरी की मात्रा कम होती है और यह रेशों से भरपूर होता है, जो लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस कराता है, जिससे आपको बार-बार खाने की इच्छा नहीं होती। इसके अलावा इसमें प्राकृतिक मिठास होती है, जो मीठे की इच्छा को भी कम कर देती है। इस प्रकार तरबूज वजन घटाने में मददगार साबित हो सकता है।

दिल की सेहत के लिए फायदेमंद

तरबूज दिल के लिए बहुत फायदेमंद होता है क्योंकि इसमें एक खास प्रकार का अमीनो एसिड पाया जाता है, जो रक्त संचार को बेहतर बनाता है और नाड़ियों पर दबाव डालने वाले हार्मोन्स को कम करता है। इसके अलावा तरबूज में मौजूद ऐसे तत्व होते हैं जो दिल की बीमारियों के खतरे को कम करने में मदद करते हैं। नियमित रूप से तरबूज का सेवन करने से रक्तचाप नियंत्रित रहता है और दिल स्वस्थ रहता है।

त्वचा के लिए लाभकारी

तरबूज में विटामिन-सी और विटामिन-ए प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, जो त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। ये विटामिन्स त्वचा को नमी प्रदान करते हैं और उसे ताजगी भरा बनाते हैं। इसके अलावा तरबूज में मौजूद एक खास तत्व सूरज की हानिकारक किरणों से बचाव करता है और त्वचा को उम्रदराज होने से रोकता है। नियमित रूप से तरबूज खाने से त्वचा की चमक बढ़ती है और वह स्वस्थ नजर आती है।

पाचन क्रिया के लिए अच्छा

तरबूज में रेशे होते हैं, जो पाचन क्रिया को सुधारने में मदद करते हैं। यह कब्ज, गैस जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है और आंत को स्वस्थ रखता है। रेशों के अलावा तरबूज में मौजूद पानी की मात्रा भी पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में सहायक होती है। नियमित रूप से तरबूज खाने से पाचन तंत्र की कार्यक्षमता बढ़ती है और आंत का संतुलन बना रहता है।

गर्मियों के दौरान इन 5 फलों के बनाकर पिएं जूस, मिलेंगे कई स्वास्थ्य लाभ

गर्मियों में अधिक तापमान और उमस के कारण शरीर में पानी की कमी हो जाती है, जिससे डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है। हालांकि, रोजाना पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थों का सेवन करने से इस समस्या से बचा जा सकता है। इसके लिए आप जूस का सेवन कर सकते हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे फलों के जूस की रेसिपी बताते हैं, जिनका सेवन गर्मियों के दौरान करना सेहत के लिए फायदेमंद है।

अनानास का जूस अनानास का जूस बनाने के लिए सबसे पहले अनानास को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर जार में डालें, फिर इसमें थोड़ा-सा नींबू का रस मिलाएं। अब जार को पीस लें और जूस को छानकर गिलास में डालें। इसके बाद जूस के ऊपर पुदीने की कुछ पत्तियां सजाकर इसे परोसें। अनानास का जूस स्वादिष्ट होने के साथ-साथ पोषक भी है।

एक्शन-कॉमेडी फिल्में करना चाहती हैं शालिनी पांडे, ऋतिक और रणवीर को को बताया अपना फेवरेट; एक के साथ कर चुकी हैं काम

अभिनेत्री शालिनी पांडे ने अपने करियर में अलग-अलग जॉनर की फिल्मों और सीरीज में काम किया है। अब अभिनेत्री की इच्छा एक्शन फिल्म में काम करने की है। 'धुरंधर' को अपनी मौजूदा पसंदीदा फिल्म बताते हुए शालिनी ने इन दो कलाकारों को अपना फेवरेट बताया और काम करने की इच्छा जताई। एक्ट्रेस ने अपनी महत्वाकांक्षाओं को लेकर भी बात की।

शालिनी पांडे ने कहा कि मैं इतनी महत्वाकांक्षी हूं कि मुझे लगता है कि मैं बहुत कुछ करना चाहती हूं। मैंने जीवन भर खेल खेले हैं और मुझे खेल बहुत पसंद हैं, इसलिए मुझे लगता है कि मैं एक एक्शन फिल्म में काम करना चाहूंगी। मुझे एक्शन पसंद है। मुझे इसका रोमांच बहुत अच्छा लगता है। इसलिए एक्शन ही वह चीज है जो मैं करना चाहती हूं। अभिनेत्री ने आगे कॉमेडी जॉनर को लेकर कहा कि कॉमेडी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसे मैं पूरी तरह से एक्सप्लोर करना चाहती हूं क्योंकि एक दर्शक के रूप में मुझे ये चीजें पसंद आती हैं। मुझे लगता है कि एक्शन और कॉमेडी दोनों ही तरह के रोल मुझे पसंद हैं।

शुभमन गिल की बहन का ओटीटी पर होगा डेब्यू, करण जौहर के शो में लेंगी हिस्सा

करण जौहर के रियलिटी शो द ट्रेटर्स इंडिया के दूसरे सीजन को लेकर लोगों का उत्साह बढ़ता जा रहा है। शो की शूटिंग जैसलमेर में शुरू हो चुकी है और इसमें हिस्सा लेने वाले कई प्रतियोगियों के नाम चर्चा में हैं। हालिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारतीय क्रिकेटर शुभमन गिल की बहन शाहनील गिल भी इसका हिस्सा होंगी। इस खबर ने अभी से फैंस को उत्साहित कर दिया है, क्योंकि शाहनील सोशल मीडिया पर काफी चर्चित हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, द ट्रेटर्स इंडिया 2 के लिए शाहनील के नाम की पुष्टि हुई है। वह इसमें बतौर प्रतियोगी शामिल होंगी जो रियलिटी शो की दुनिया में उनका पहला कदम होगा और ओटीटी डेब्यू भी, क्योंकि यह शो अमेजन प्राइम वीडियो पर आएगा। बता दें कि शाहनील सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनके इंस्टाग्राम पर 4.4 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। अपनी खूबसूरत तस्वीरों से वह हमेशा लोगो का ध्यान खींच लेती हैं। शाहनील के अलावा, सोहेल खान की पूर्व पत्नी सीमा सजदेह का नाम भी चर्चा में है।

रिपोर्ट के अनुसार, बातचीत शुरुआती दौर में है। हालांकि उनकी भागीदारी पर आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। बता दें, द ट्रेटर्स मूल रूप से नीदरलैंड का शो है, जिसका प्रसारण 2021 में डी वेर्राडर्स नाम से हुआ था।

कौन हैं हितिका बाली और 'धुरंधर 2' में रणवीर से क्या था रिश्ता? पंजाबी फिल्म 'मधानियां' में कर चुकी हैं काम

धुरंधर 2' फिल्म बॉक्स ऑफिस पर एक के बाद एक रिकॉर्ड बना रही है। फिल्म सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बनी हई है, लेकिन हितिका बाली का धुरंधर 2 से क्या कनेक्शन है? आइए जानते हैं। 'धुरंधर द रिवेंज' फिल्म की स्टार कास्ट को लेकर भी लोग काफी तारीफ कर रहे हैं। हर किरदार के लिए काफी सटीक एक्टर को चुना गया है। अब हितिका बाली का नाम भी सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। आइए जानते हैं कौन हैं हितिका बाली और इससे पहले किन प्रोजेक्ट्स पर कर चुकी हैं काम। 'धुरंधर: द रिवेंज' में हितिका बाली ने जसकीरत की बहन हरलीन सिंह रांगी का किरदार निभाया था। फिल्म की शुरूआत में जसकीरत के परिवार के साथ ज्यादती की जाती है। इसके बाद वो अपने परिवार का बदला लेने के लिए हथियार उठा लेता है। आगे उसका सफर कई मोड़ लेते हुए उसे हमजा बनने पर मजबूर कर देता है। हमजा बनते ही वो अपनी जिंदगी देश के नाम कर देता है। हितिका बाली एक अभिनेता-मॉडल हैं, जिन्होंने मिस हिमाचल 2023 का खिताब भी जीता है। उन्होंने चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन की है। उनका एक्टिंग करियर पंजाबी फिल्म 'मधानियां' से शुरू हुआ। इसके अलावा उन्होंने कई म्यूजिक वीडियो और स्टेज परफॉर्मेंस में भी काम किया है, और फिर बड़े पर्दे पर कदम रखा। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म धुरंधर 2 का भारतीय बॉक्स ऑफिस पर ग्रॉस कलेक्शन 745.23 करोड़ रुपये हो चुका है। वहीं, नेट कलेक्शन 623.97 करोड़ रुपये हो चुका है। फिल्म 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म में रणवीर सिंह, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, राकेश बेदी समेत कई दिग्गज कलाकार शामिल हैं। हरलीन सिंह रांगी के किरदार में थी हितिका 'धुरंधर: द रिवेंज' में हितिका बाली ने जसकीरत की बहन हरलीन सिंह रांगी का किरदार निभाया था। फिल्म की शुरूआत में जसकीरत के परिवार के साथ ज्यादती की जाती है। इसके बाद वो अपने परिवार का बदला लेने के लिए हथियार उठा लेता है। आगे उसका सफर कई मोड़ लेते हुए उसे हमजा बनने पर मजबूर कर देता है।

किसानों सहित सभी वर्गों का कल्याण हमारा ध्येय : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छिंदवाड़ा को दी 500 करोड़ रुपए से अधिक लागत के 105 विकास कार्यों की सौगात

भोपाला। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के साथ मध्यप्रदेश भी आगे बढ़ रहा है। गरीब, किसान, महिला और युवा सहित सभी वर्गों का कल्याण राज्य सरकार का संकल्प है। हमारे लिए सीमा पर जवान और खेतों में किसान, दोनों बराबर हैं। प्रदेश के किसानों को सालभर में 12 हजार रुपए की सम्मान निधि और लाड़ली बहनों को हर महीने 1500 रुपए की सौगात मिल रही है। अन्नदाता की समृद्धि के लिए राज्य सरकार ने वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष घोषित किया है। किसानों की समृद्धि में ही प्रदेश की खुशहाली है। इसी ध्येय से किसानों को फसल उत्पादन के साथ-साथ पशुपालन, दूध उत्पादन, मत्स्य पालन, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण से आय दोगुनी करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। यह प्रदेश का स्वर्णिम काल है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश औद्योगीकरण और युवाओं को रोजगार से जोड़ने में सबसे आगे है। उन्होंने छिंदवाड़ा जिले को 500 करोड़ रुपए से अधिक लागत के 105 विकास कार्यों की सौगात दी। इसमें 133 करोड़ की लागत के तामिया-जुन्नारदेव मार्ग, नल जल योजना के कार्य, पुलिस आवास गृह, माध्यमिक विद्यालय भवन और छात्रावास सहित अन्य विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय के लिए नया भवन बनाए जाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से प्रदेश के 7008 श्रमिकों के खातों में संबल योजना की 157 करोड़ की राशि का अंतरण किया। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं में 55 लाख से अधिक हितग्राहियों को 463 करोड़ की राशि अंतरित की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र एवं हितलाभ भी वितरित किये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चैत्र नवरात्रि की महा अष्टमी के दिन छिंदवाड़ा में दीप प्रज्ज्वलित कर एवं कन्या पूजन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

प्रदेशवासियों को दी महाअष्टमी और श्रीराम नवमी की मंगलकामनाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि छिंदवाड़ा को लगभग 500 करोड़ और पांढुर्णा को 350 करोड़ से अधिक की अनुपम सौगात मिली है। छिंदवाड़ा और पांढुर्णा के पास जामसांवली में श्री हनुमान लोक के लोकार्पण का सौभाग्य मिला। भगवान श्री हनुमान के बिना तो रामराज्य भी अधूरा सा लगता है। हमारा शासनकाल भगवान श्रीराम के राज्य जैसा होना चाहिए। राज्य सरकार अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर निर्माण के बाद अब मध्यप्रदेश के पवित्र चित्रकूट धाम को तीर्थ के रूप में विकसित कर रही है। विरासत को विकास से जोड़ते हुए प्रदेश में श्रीराम गमन पथ का कार्य जारी है। उज्जैन में बाबा महाकाल, जामसांवली श्री हनुमान धाम, सतना की शारदा मैया जैसे अनेक प्रसिद्ध धर्म स्थलों में महत्वपूर्ण तीर्थ होने के नाते सुविधाएं विकसित की जा रही हैं।

सांसद श्री बंटी विवेक साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव एक कर्मयोगी की तरह प्रदेश को आगे बढ़ा रहे हैं। पांढुर्णा में आज श्री हनुमान लोक का लोकार्पण होने के साथ ही दूसरे चरण के कार्यों की भी घोषणा की गई है। छिंदवाड़ा के जनजातीय अंचलों के लिए 84 उप-स्वास्थ्य केंद्र की स्वीकृत किए गए हैं। प्रदेश में औद्योगिक विकास के साथ-साथ बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए विद्यालय और छात्रावास की भी सौगात मिली है। तामिया-जुन्नारदेव सड़क 2 जिलों को जोड़ रही है। छिंदवाड़ा में एयरपोर्ट के विकास से क्षेत्र की एक अलग पहचान बनेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों के कल्याण के लिए 2026 को कृषि वर्ष घोषित किया है। छिंदवाड़ा कॉर्न (मक्का) सिटी है। छिंदवाड़ा जिले में आज 350 करोड़ से अधिक लागत के सिर्फ लोकार्पण हुए हैं। कार्यक्रम में अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छिंदवाड़ा के पास हुई सड़क दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छिंदवाड़ा जिला प्रभारी मंत्री श्री राकेश सिंह को घटना में प्रभावित लोगों से मिलने के लिये निर्देशित किया है।

उल्लेखनीय है कि गुरुवार की शाम को छिंदवाड़ा-नागपुर रोड पर हृदय विदारक सड़क दुर्घटना हुई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करते हुए परम पिता परमात्मा से प्रार्थना की है कि सभी दिवंगत नागरिकों की आत्मा को शांति प्रदान करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दुर्घटना में घायलों के शीघ्र स्वास्थ लाभ की कामना की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संबंधित अधिकारियों को घायलों के समुचित इलाज के लिए उचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। जबलपुर से डॉक्टर्स के दल पैरामेडिकल स्टाफ सहित छिंदवाड़ा और नागपुर भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रदेश के 7008 श्रमिकों के खातों में संबल योजना के 157 करोड़ रुपये अंतरित

सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के 55 लाख से अधिक हितग्राहियों को 463 करोड़ की राशि अंतरित

मंत्री श्री सारंग के मार्कफेड को आत्मनिर्भर बनाने और किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने के निर्देश

बंद इकाइयों के पुनरुद्धार और संपत्तियों की डिजिटल मैपिंग पर भी जोर

10.80 लाख मीट्रिक टन खाद वितरण का लक्ष्य

पैक्स केंद्रों पर किसानों को बेहतर सुविधाएं देने के निर्देश

राज्य सहकारी विपणन संघ की गतिविधियों की समीक्षा

भोपाला। सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ (मार्कफेड) कार्यालय में समीक्षा बैठक में संघ की गतिविधियों, उर्वरक वितरण व्यवस्था, वित्तीय प्रबंधन, परिसंपत्तियों के उपयोग एवं व्यवसाय विस्तार की विस्तृत समीक्षा की तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि मार्कफेड को आत्मनिर्भर, आधुनिक एवं व्यावसायिक रूप से मजबूत संस्था बनाने के लिए सभी अधिकारी लक्ष्य आधारित कार्य करें। उन्होंने किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने, बंद औद्योगिक इकाइयों को पुन: प्रारंभ करने, संपत्तियों की डिजिटल मैपिंग करने तथा गोदामों के पूर्ण उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उर्वरक (खाद) प्रबंधन एवं वितरण बैठक में बताया गया कि इस वर्ष 10.80 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों का भंडारण लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके विरुद्ध 23 मार्च तक 6.70 लाख मीट्रिक टन का भंडारण हो चुका है। किसानों को स्थानीय स्तर पर खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मंत्री श्री सारंग ने वित्तीय प्रबंधन की समीक्षा करते हुए बैंकों से प्राप्त ऋण एवं लंबित बकाया राशि की शीघ्र वसूली के निर्देश दिए, जिससे उर्वरक कंपनियों को भुगतान में कोई बाधा नहीं आए। उन्होंने कहा कि संस्था की वित्तीय स्थिति को मजबूत बनाना प्राथमिकता है। परिसंपत्ति प्रबंधन एवं डिजिटल ट्रैकिंगद्व मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिए कि संघ की सभी अचल संपत्तियों की मैपिंग कर उनका विवरण 'संपदा पोर्टल' पर अनिवार्य रूप से अपडेट किया जाए। साथ ही अचल संपत्तियों की सुरक्षा एवं व्यावसायिक उपयोग के लिये विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर मुख्यालय भेजी जाए।

सागर के डायल 112 हीरोजः तत्परता और संवेदनशीलता से बिछड़ी मासूम बच्ची को सुरक्षित परिवार से मिलाया

भोपाला। सागर जिले मेंडायल-112 सेवा की त्वरित कार्रवाई और मानवीय संवेदनशीलताका एक सराहनीय उदाहरण सामने आया, जहाँ रेलवे स्टेशन पर परिजनों से बिछड़ी एक मासूम बच्ची को सुरक्षित तलाश कर उसके परिवार से मिलाया गया। इस पूरी कार्यवाही ने पुलिस की मुस्तैदी और जिम्मेदारी को एक बार फिर साबित किया। को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल से सूचना प्राप्त हुई कि एक छोटी बच्चीसागर रेलवे स्टेशनपर अकेली रह गई है, जबकि उसके परिजन ट्रेन से आगे निकल गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस कंट्रोल रूम सागर में पदस्थउप निरीक्षक आर.के.एस. चौहानने मामले की गंभीरता को समझते हुए तत्कालएफआरव्ही-05 गोपालगंजको मौके के लिए रवाना किया।एफआरव्ही टीम ने घटनास्थल पर पहुँचकरजीआरपी सागरके सहयोग से तत्काल सर्चिंग अभियान प्रारंभ किया और कुछ ही समय में रोती हुई मासूम बच्ची को सुरक्षित ढूंढ लिया। इसके पश्चात बच्ची को पुलिस कंट्रोल रूम सागर लाया गया, जहाँ से उसके परिजनों से संपर्क स्थापित कर उन्हें बुलाया गया। पूछताछ में परिजनों ने बताया कि वे मैहर क्षेत्र के समीप गाँव से खुरई में फसल कटाई के कार्य से लौट रहे थे। यात्रा के दौरान सभी को नींद लग गई और सागर स्टेशन पर रुकने के दौरान बच्ची यह समझकर ट्रेन से उतर गई कि उसके परिजन भी उतर चुके हैं। आगे जाकर परिजनों को बच्ची के न मिलने पर घबराहट हुई, इसी बीच ट्रेन में मौजूद एक जागरूक महिला ने डायल-112 पर सूचना देकर पुलिस को अवगत कराया। डायल-112 की त्वरित कार्रवाई के चलते बच्ची को सकुशल बरामद कर शीघ्र ही परिजनों के सुपुर्द किया गया। अपनी बच्ची को सुरक्षित पाकर परिजनों की आँखों में खुशी के आँसू थे और उन्होंने पुलिस का आभार व्यक्त किया। इस पूरे घटनाक्रम मेंउप निरीक्षक श्री आर.के.एस. चौहान, प्रधान आरक्षक श्री कमलेश मिश्राएवंपायलट श्री विक्रांत सिंहकी भूमिका विशेष रूप से सराहनीय रही।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने किए माँ शारदा के दर्शन

प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की

भोपाल । उपमुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने दुर्गाष्टमी के पावन अवसर पर मैहर पहुंचकर शक्तिस्वरूपा मां शारदा देवी के दर्शन कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं हवन किया। उन्होंने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर मैहर विधायक श्री श्रीकांत चतुर्वेदी भी उपस्थित रहे।

अंतर्राज्यीय संगठित गिरोह से जुड़े प्रकरणों की जांच के लिए एसआईटी गठित

भोपाल । मध्यप्रदेश के अशोकनगर, इंदौर (शहर एवं देहात), खरगोन एवं भोपाल जिलों के थानों में दर्ज अंतर्राज्यीय संगठित आपराधिक प्रकरणों की प्रभावी जांच के लिए पुलिस मुख्यालय द्वारा विशेष अनुसंधान दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। एसआईटी अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एसटीएफ श्री श्रीनिवास वर्मा के पर्यवेक्षण में कार्य करेगी। एसआईटी का प्रभार पुलिस उप महानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक (रेल) भोपाल श्री राहुल कुमार लोढ़ा को दिया गया है।

एसआईटी में पुलिस अधीक्षक एसटीएफ भोपाल श्री राजेश सिंह भदौरिया, पुलिस अधीक्षक एसटीएफ इंदौर श्री नवीन कुमार चौधरी, पुलिस अधीक्षक एटीएस मुख्यालय भोपाल श्री वैभव श्रीवास्तव, सहायक पुलिस महानिरीक्षक (रेडियो) श्री सुधीर कनोजिया, एसटीएफ मुख्यालय भोपाल के उप पुलिस अधीक्षक श्री सूर्यकांत अवस्थी।

मोदी सरकार की विफल विदेश नीति और भ्रामक बयानों से देश संकट

भोपाला। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री जितेंद्र (जीतू)पटवारी ने देश में उत्पन्न पेट्रोल-डीजल संकट और आमजन में फैल रही भय की स्थिति को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विफल विदेश नीति और गैर-जिम्मेदाराना बयानों के कारण आज देश की जनता अनावश्यक संकट का सामना कर रही है।

श्री पटवारी ने कहा कि भारत की पारंपरिक गुटनिरपेक्ष नीति, जो देश के दीर्घकालिक हितों को ध्यान में रखकर बनाई गई थी, उसे वर्तमान सरकार ने कमजोर किया है। व्यक्तिगत छवि निर्माण और अंतरराष्ट्रीय नेताओं, विशेषकर ट्रंप के साथ दिखावे के संबंधों के कारण देश की कूटनीतिक संतुलन नीति प्रभावित हुई है।

उन्होंने कहा कि हाल ही में संसद में दिए गए प्रधानमंत्री के बयान, जिसमें संभावित संकट की आशंका जताई गई, उससे देशभर में भय का माहौल बन गया है। मध्यप्रदेश सहित कई राज्यों में पेट्रोल पंपों पर लंबी-लंबी कतारें देखी जा रही हैं, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं दूसरी ओर भाजपा के नेता और प्रशासनिक अधिकारी इस तरह के किसी संकट से इनकार कर रहे हैं, जो सरकार की असंगत और भ्रमित स्थिति को दर्शाता है।

श्री पटवारी ने कहा कि आदरणीय राहुल गांधी जी ने पहले ही देश को आगाह किया था कि सरकार की नीतियां देश को संकट में डाल सकती

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छिंदवाड़ा के सिहोरा मॉल में सहस्त्र चण्डी यज्ञ में सपत्नीक पूजा अर्चना की।

स्वात्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एम.एस.चौहान द्वारा ई-2/283, अरेरा कॉलोनी भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं ई-109/23,शिवाजी नगर,भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादकः एम.एस. चौहान, स्थानीय संपादक कमलेन्द्र सिंह चौहान। फोन एवं फैक्स : 0755-4273629,।